संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 59
पृष्ठ 8
रविवार
16 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- श्रीकृष्ण के बेटे को मिले श्राप की....
विचार- खाद्य पदार्थों की कम कीमतें...
खेल- दूसरे दिन गिरे कुल 15 विकेट, जडेजा...

प्रधानमंत्री मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

दशक तक की आदिवासियों की उपेक्षा, अब विकास हमारी प्राथमिकता

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग रहा है और देश स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकता। जनजातीय गौरव दिवस पर यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग रहा है। जब भी देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वशासन का प्रश्न उठा है... हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा रहा है। हम स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकते। मोदी ने कांग्रेस सरकारों पर

अपने शासनकाल में आदिवासी समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छह दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया। कुपोषण कायम रहा, शिक्षा दुर्लभ थी और ये कमियाँ कई आदिवासी क्षेत्रों की दुर्भाग्यपूर्ण पहचान बन गईं। कांग्रेस सरकारें उदासीन रहीं। भाजपा के लिए आदिवासी कल्याण हमेशा प्राथमिकता रही है। हम अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। अभी 31 अक्टूबर को हमने यहां सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। और आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। मैं इस पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को प्रणाम करता हूं। आज काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की चर्चा होती है, उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की चर्चा होती है, अयोध्या के राम मंदिर की चर्चा होती है, केदारनाथ धाम की चर्चा होती है। पिछले एक दशक में ऐसे कई हमारे धार्मिक, ऐतिहासिक स्थानों का विकास हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। जब–जब देश के सम्मान स्वाभिमान और स्वराज की बात आई... तो हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा हुआ। हमारा स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भगवान बिरसा मुंडा को कोई याद करने वाला नहीं था। सिर्फ उनके अगल–बगल के गांव तक ही पूछा जाता था। आज देशभर में कई ट्राइबल म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जनजातीय गौरव दिवस का ये अवसर हमें उस अन्याय को भी याद करने का अवसर देता है, जो हमारे करोड़ों आदिवासी भाई–बहनों के साथ किया गया है। देश में छह दशक तक राज करने वाली कांग्रेस ने आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। आदिवासी कल्याण भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का जवाब

आधार सिर्फ पहचान का दस्तावेज, नागरिकता का नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को केवल पहचान साबित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष संशोधन को लेकर उठी कानूनी बहस के बीच आयोग ने यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आधार की कानूनी सीमाओं पर न्यायालय पहले ही स्पष्ट राय दे चुका है। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिया था कि मतदाता सूची के अद्यतन के दौरान आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। इसके आधार पर आयोग ने 9 सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए थे कि आधार को नागरिकता

प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दौरान पालन की जानी अनिवार्य है। यह जवाब उस इंटरलोक्यूटरी आवेदन पर दिया गया, जिसमें अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मांग की थी कि आधार का उपयोग केवल पहचान प्रमाण और प्रमाणिकरण के लिए ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा था कि यह प्रक्रिया कानूनी धाराओं की भावना के अनुरूप ही होनी चाहिए। आयोग ने अदालत को आश्वस्त किया कि उसके सभी मौजूदा निर्देश इसी प्रावधान का पालन करते हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने अगस्त 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया था कि आधार कार्ड ना तो नागरिकता का प्रमाण है, ना निवास का और ना ही जन्मतिथि का। आयोग ने कहा कि इसी ब्ड का हवाला बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी दिया था, जिसमें कहा गया था कि जन्मतिथि साबित करने की जिम्मेदारी आधार धारक पर ही रहती है। आयोग ने बताया कि अदालत के आदेश और यूआईडीएआई दोनों ही स्पष्ट रूप से यह तय करते हैं कि आधार को सीमित भूमिका में ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

राहुल के वोट चोरी बयान पर भाजपा का तीखा वार

जो राष्ट्र की बात न करे उसे देश स्वीकार नहीं करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिलीप जायसवाल ने शनिवार को बिहार विधानसभा चुनावों में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के लिए वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराने वाले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह देश ऐसे व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो राष्ट्र की बात नहीं करता। जायसवाल ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता के बयानों में परिपक्वता और गंभीरता का अभाव है और उन्होंने उनसे मतदाताओं का विश्वास जीतने के लिए आतंकवाद, राष्ट्र–विरोधी ताकतों और उग्रवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने का आग्रह किया।

एएनआई को संबोधित करते

हुए, जायसवाल ने जोर देकर कहा कि गांधी देश के मतदाताओं का विश्वास तब तक नहीं जीत पाएंगे जब तक वह आतंकवाद, राष्ट्र–विरोधी ताकतों और उग्रवाद का खुलकर विरोध नहीं करते। जायसवाल ने एएनआई से कहा कि राहुल गांधी को अपनी अंतरात्मा में झांकना चाहिए। जब तक आप इस देश के आम लोगों को यह साबित नहीं कर देते कि वह आतंकवाद का विरोध करते हैं, राष्ट्र–विरोधी ताकतों का विरोध करते हैं और उग्रवाद का विरोध करते हैं, तब तक वह इस देश के मतदाताओं के बीच अपनी जगह नहीं बना पाएंगेय जब तक वह खुलकर राष्ट्रवाद की बात नहीं करेंगे। यह देश ऐसे व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो राष्ट्र की बात नहीं करता। राहुल गांधी अभी भी परिपक्व नहीं हुए हैं।

बिहार हार के बाद राजग की पहली प्रतिक्रियाः

उतार–चढ़ाव तो आना ही है, गरीबों के लिए लड़ते रहेंगे

पटना,एजेंसी। 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को कहा कि उतार–चढ़ाव तो आना ही है, और कहा कि यह गरीबों की पार्टी है और उनके मुद्दों और आवाजों को उठाती रहेगी। पार्टी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है! इसमें उतार चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं! राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज बुलंद करते रहेगी! बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जब तेजस्वी यादव को महागठबंधन में शामिल सहयोगियों की इच्छा के विपरीत मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था तब शायद कुछ लोगों ने ही कल्पना की होगी कि शानदार चुनावी आगाज करने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता के नेतृत्व में उनकी पार्टी को इस अकल्पनीय हार का सामना करना पड़ेगा। महज 25 साल की उम्र में उपमुख्यमंत्री बनने के 10 साल बाद पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद के उत्तराधिकारी ने कई दौर में पिछड़ने के बाद भले ही राजद के गढ़ राघोपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सतीश कुमार को हराकर जीत हासिल कर ली लेकिन उनके नेतृत्व में राजद इस चुनाव में सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गया।

तेजस्वी ने एक क्रिकेटर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी लेकिन इस खेल में वह उड़ान नहीं भर सके। इसके बाद राजनीति में कदम रखते हुए उन्होंने एक नयी शुरुआत की और सफलता भी हासिल की लेकिन बिहार के सबसे शक्तिशाली परिवार के इस वंशज ने सपने भी नहीं सोचा होगा कि उनके नेतृत्व में पार्टी का यह हश्र हो जाएगा कि उसे विपक्षी दल का तमगा हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने 2015 में राजनीति में प्रवेश करने से कुछ साल पहले क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। जल्द ही, लालू ने यह स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही उनके चुने हुए उत्तराधिकारी होंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्हें नीतीश कुमार सरकार में उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया।

हालांकि, तेजस्वी की किस्मत में कुछ और ही था। उनका नाम कथित अवैध भूमि लेनदेन से संबंधित धनशोधन मामले में सामने आया, जब उनके पिता संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन–1 सरकार में रेल मंत्री थे। जब यह कथित घोटाला हुआ तब तेजस्वी किशोरावस्था में थे। इसे लेकर भारी विरोध हुआ और नीतीश कुमार ने राजग में लौटने से

पहले राजद से नाता तोड़ लिया। साल 2020 के बिहार चुनाव में 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे राजद की संख्या इस चुनाव में घटकर आधे से भी कम रह गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि नौ भाई–बहनों में दूसरे सबसे छोटे तेजस्वी सत्तारूढ़ गठबंधन के इस दावे का मुकाबला करने में पूरी तरह से विफल रहे कि राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का मतलब 'जंगलराज' की वापसी होगा। मंच पर राजद उम्मीदवारों की कथित अनुचित बातों, नाबालिग लड़कों द्वारा 'रंगदार' बनने और 'कट्टा' (देश में बनी बिना लाइसेंस वाली पिस्तौल) लहराने की महत्वाकांक्षा जताए जाने पर पार्टी नेतृत्व ने आपत्ति भी नहीं जताई, जिससे 'जंगलराज' की कहानी को और बल मिला। ऐसा लगता है कि यादव ने 20 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद अपने पूर्व बॉस और अपने पिता के धुर प्रतिद्वंद्वी नीतीश कुमार का आकलन करने में भी गलती की।

आदिवासियों के उत्थान के लिए हमेशा याद किए जाएंगे भगवान बिरसा मुंडा : योगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि धरती आबा (धरती के पिता) भगवान बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संग्राम

और आदिवासियों के उत्थान के लिये हमेशा याद किये जायेंगे। योगी ने चोपन स्थित रेलवे के खेल मैदान में भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित गौरव दिवस समारोह में एक आम सभा को संबोधित करते हुये कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का नारा था अबुआ दिशुम , अबुआ राज यानी अपना देश अपना राज। यह नारा उन्होने अंग्रेजों से लड़ने के लिए आंदोलन के दौरान दिया था। अंग्रेजों द्वारा राँची जेल में दी गई यातना के कारण भगवान बिरसा मुंडा की मात्र 25 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई।

उन्होने कहा कि मृत्यु के बाद भी उनका संघर्ष काम आया और ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा तथा जो माँग उन्होंने जनजातीय समुदाय के अधिकारों के लिए अंग्रेजों से की थी वह अधिकार देने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की देन है कि हमारा जनजातीय समाज तेजी से विकास की ओर अग्रसर होने के साथ ही देश के विकास में भी योगदान दे रहा है। योगी ने कहा कि 125 वर्ष पूर्व संसाधनों के तमाम अभावों के बावजूद जनजाति समाज देश की मुख्य धारा से जुड़ कर भारत की स्वाधीनता के लिए आंदोलन कर रहा था।

टीएमसी नेता सागरिका का पलटवार

भाजपा को स्वीकार नहीं करेगा बंगाल, ममता हवाई जहाज वाली नेता नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद सागरिका घोष ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल कभी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्वीकार नहीं करेगा। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हा कि उनकी पार्टी राज्य के अगले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। सागरिका घोष ने यह भी कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी जैसी नेता हैं,जो हमेशा लोगों के बीच रहती हैं और वह हवाई जहाज वाली नेता नहीं हैं। टीएमसी सांसद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, मैं नरेंद्र मोदी को कुछ हकीकत बताना चाहती हूं। उन्होंने बंगाल को जीतने की बात कही, जैसे बंगाल कोई जमीन

का टुकड़ा हो, जिसे मोदी अपने बायोडाटा में जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले बंगाल कभी भी मोदी और भाजपा की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगा। आप पैसे देंगे, लोगों को बांटेंगे, डर दिखाएंगे, हिंसा करेंगा– यह राजनीति बंगाल स्वीकार नहीं करेगा। घोष ने आगे कहा, दूसरी बात, हमारे पास बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसी नेता हैं, जो हमेशा लोगों के साथ रहती हैं। वह कोई हवाई जहाज वाली नेता नहीं हैं, जो सिर्फ उड़कर आएं और वोट मांगकर चली जाएं। वह 24 घंटे लोगों के बीच रहती हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार की कन्याश्री जैसी योजनाएं यह दिखाती हैं कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए वास्तव में काम कर रही है। टीएमसी सांसद ने कहा, कन्याश्री जैसी योजना बंगाल सरकार की एक आजीवन प्रतिबद्धता है। यह चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए दिया गया रिश्वत जैसा वादा नहीं है। घोष ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने मनरेगा जैसी योजनाओं के तहत बंगाल का श्हकश् रोक रखा है। उन्होंने कहा, चाहे मनरेगा का पैसा हो या आवास योजना का.. बंगाल सरकार को उसका पैसा नहीं दिया गया है। केंद्र सरकार बंगाल को उसका हक नहीं दे रही।

विस्फोट के कारणों की पड़ताल जारी, फरीदाबाद से जब्त सामान में धमाका

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट पर गृह मंत्रालय ने बयान जारी किया है। सरकार ने बताया कि धमाके में नौ लोगों की जान चली गई, जबकि 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन नागरिक घायल हुए हैं। नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जम्मू–कश्मीर प्रभाग) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि धमाके से पुलिस स्टेशन की इमारत और आसपास की कुछ संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने किसी भी तरह की कयासबाजी से बचने की अपील की है। उन्होंने बताया कि कल रात लगभग 11:20 बजे, नौगाम पुलिस स्टेशन के अंदर एक दुर्भाग्यपूर्ण आकस्मिक विस्फोट हुआ। एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान, विस्फोटक पदार्थों और रसायनों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था और पुलिस

स्टेशन के एक खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था। जांच की मानक प्रक्रिया के तहत विस्फोटक के सैंपल लिए जा रहे थे। फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे जाने के दौरान आकस्मिक विस्फोट हुआ। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जम्मू–कश्मीर प्रभाग) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि हरियाणा के फरीदाबाद से बरामद विस्फोटकों को अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण उनके सैंपल को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही थी। हालांकि, प्रक्रिया के दौरान अचानक हुए धमाके में कई लोगों की जान चली गई।

प्रयागराज में बार डांसरों का डांस, खेत में आधी रात तक डांस पार्टी, बगल में शराब का ठेका, डांसरों पर लुटाए जा रहे रुपए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में सोरांव महोत्सव चल रहा है। इसी से एक किमी दूर बार बालाओं का डांस कराया जा रहा है। यहां करीब 15 डांसर गानों पर थिरक रहे हैं। डांस का प्रोग्राम चल रहा है, उसी के बगल में अंग्रेजी शराब, बीयर और देसी शराब का ठेका है। शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक कार्यक्रम चल रहा है। इस डांस प्रोग्राम में 100 रुपए का टिकट रखा गया है। प्रतिदिन करीब 200 लोग पहुंचते हैं। इसके बाद नोट लुटाए जाते हैं। लग्जरी गाड़ियों से लोग डांस देखने पहुंच रहे हैं। प्रयागराज की गंगा–जमुनी तहजीब को तार–तार किया जा रहा है। जहां मंत्री से लेकर अफसरों की आवाजाही है। खेत में पंडाल, स्टेज तैयार कर ऑर्केस्ट्रा आधी रात तक चल रहा है। हिन्दी फिल्मों के गानों के साथ भोजपुरी गानों और दो अर्थी अश्लील गानों पर डांसर ठुमके लगाती नजर आ रही हैं। युवाओं की टोली नशे में धुत होकर हंगामा तक करती रही। डांसर युवाओं को उत्तेजित कर रुपए लुटाने पर मजबूर कर रही हैं। डीजे की तेज आवाज से पूरा इलाका गूंज रहा है। डांसिंग मंच के पीछे पंडाल नुमा छोटे–छोटे रूम तैयार हुए हैं। कहा जा रहा है कि इसमें डांसर होने जाती हैं और मेकअप करती हैं। न कोई बोर्ड लगा है न बैनर पोस्टर लगे हैं। आयोजक कौन है, यह पूछने पर कोई नहीं बता रहा। आधी रात तक अश्लीलता की हद देखने को मिल रही है। एसीपी सोरांव प्रमिला श्याजीत का कहना है कि इस आयोजन की जानकारी उन्हें नहीं है। यदि अश्लील डांस हो रहा है तो कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर सोरांव केशव वर्मा का कहना है कि आयोजन की जानकारी नहीं दी गई। फोर्स भेज जानकारी कराई जाएगी। अनुमति के बारे में भी नहीं पता।

बिहार की जीत पर फूले नहीं समा रहे AIMIM नेता

प्रयागराज (संवाददाता)। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम के नेता बिहार में मिली जीत पर फूले नहीं समा रहे हैं। रिजल्ट आने के बाद तो जश्न मना ही दूसरे दिन भी पार्टी नेता जश्न मनाने निकल पड़े। शनिवार को झूंसी के अनवर मार्केट पर बिहार चुनाव की जीत की खुशी मनाई गई। महानगर अध्यक्ष अफसर महमूद के नेतृत्व में पटाखा फोड़ कर मिठाई बांटी गई। इस अवसर पर मोहम्मद अखहृतर, मो. आजम कुरैशी, जुबैर अहमद, महानगर संगठन मंत्री सैय्यद इरशाद आलम, महानगर उपाध्यक्ष इफ्तेखार अहमद अंसारी, एजाज अहमद नकवी महानगर उपाध्यक्ष ने आतिशबाजी करते हुए लड्डू बांटे। यहां जुबैर अहमद, मोहम्मद अखहृतर, पीएन तिवारी, शरद मिश्रा, हरि शंकर पांडे, लल्लू मिश्रा, विधानसभा अध्यक्ष शहर पश्चिम, फरहत सिद्दीकी, आफताब अहमद, मोहम्मद सैफ, मलिका आलम आरा, सना शाकिरा, हसीन आरा, गुड़िया बेगम, निशात आबिद, नसरीन बेगम, फराह आबिद, शेरू, शादरुदीन, आसिफ अंसारी आदि ने भी जश्न मनाया।

माघ मेले को देखते हुए प्रशासन अलर्ट, रोडवेज बसों से हटेंगे प्रेशर हॉर्न, बीच रास्ते बस खड़ी करने पर होगी कार्रवाई

प्रयागराज (संवाददाता)। सड़क हादसों में कमी लाने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। शुक्रवार को हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) ने रोडवेज एआरएम को निर्देश दिया कि सभी रोडवेज बसों से प्रेशर हॉर्न तुरंत हटाए जाएं और बस चालकों की मनमानी पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि बीच रास्ते में बस खड़ी करने पर चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि अक्टूबर 2024 में 102 की तुलना में अक्टूबर 2025 में 104 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इस पर अपर जिलाधिकारी ने दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश एसपी ट्रैफिक, परिवहन विभाग, पीडीए व टीआई को दिया। महाकुंभ की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अलोपीबाग फ्लाईओवर और पत्थर गिरजाघर के सामने धरना स्थल पर रखे बोल्डर हटाने के लिए स्थलीय निरीक्षण करने का आदेश भी दिया।साथ ही परिवहन विभाग को 24 जुलाई को हुई जिला यान समिति की बैठक में तय बिंदुओं पर भौतिक रूप से अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने सभी सरकारी विभागों को अपने चालकों के स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण कराने के निर्देश दिए।अपर जिलाधिकारी ने लेप्रोसी चौराहे पर फुट ओवरब्रिज के निर्माण के लिए एनएचएआई और एनएच के अधिकारियों को 19 नवंबर को संयुक्त निरीक्षण करने का आदेश दिया। इसके अलावा माघ मेले की तैयारियों को देखते हुए पार्किंग स्थलों की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए गए।

प्रयागराज के नए बीएसए अनिल कुमार ने कार्यभार संभाला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के नए बीएसए यानी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के रूप में आज शनिवार को अनिल कुमार ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्रभारी बीएसए रहे देवव्रत सिंह पटेल ने नए बीएसए को कार्यभार सौंपा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया और इसके बाद संबंधित अधिकारियों व पटल सहायकों से योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद जिले के सभी खंड

शिक्षा अधिकारियों के साथ भी उन्होंने बैठक की। कहा, जनपद के प्रत्येक विद्यालयों में पर फोकस करना होगा। शिक्षकों का छात्रों के बीच अच्छा समन्वय होना तय होगा। नवनियुक्त बीएसए अनिल कुमार ने कहा कि शिक्षक– शिक्षिकाओं और कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना प्राथमिकता होगी। दरअसल, यहां बीएसए रहे प्रवीण कुमार तिवारी के क्वें बनने के बाद यूपी बोर्ड के उप सचिव देवव्रत सिंह पटेल को प्रभारी बीएसए बनाया गया था। अब अनिल कुमार को बीएसए पद की जिम्मेदारी दी गई है। वह मूलतरू गाजीपुर जनपद के रहने वाले हैं। उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ही हुई है। यह वर्ष– 2012 बैच के पीईएस है। अनिल कुमार की पहली तैनाती यूपी बोर्ड मुख्यालय में उप सचिव, फर्रुखाबाद और औरैया में बीएसए, बेसिक शिक्षा परिषद में उप सचिव, कौशांबी में डीआईओएस और प्रभारी डायट प्राचार्य एवं प्राचार्य राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज के पद पर कार्य कर चुके हैं।

कुत्तों के मिट्टी खोदने पर दिखी लड़की की लाश

प्रयागराज में हत्या कर दफनाया, सिर-चेहरे पर चोट के गहरे निशान

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में कुत्तों के मिट्टी खोदने पर जमीन में दबी लड़की की लाश दिखी। उसके सिर और चेहरे पर चोट के गहरे निशान हैं। माना जा रहा है कि हत्या करने के बाद लाश को यहां दफनाया गया था। लड़की का हाथ और आधा शरीर देखते ही घटनास्थल पर भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। मिट्टी को खुदवाने के बाद लाश को निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने इलाके में आसपास लोगों से पूछताछ की। लेकिन कोई साफ जवाब नहीं दे सका। घटना शनिवार की थरवई के लखरावा गांव की है।

गंगापार के थरवई स्थित लखरावा गांव में शनिवार सुबह एक लड़की की लाश जमीन में दबी मिली। कुत्ते उस जगह जमीन खोद रहे थे। जानकारी मिलते ही गांव वाले दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। वहां देखा तो लड़की का एक हाथ और शरीर का कुछ हिस्सा बाहर दिख रहा था। चेहरे पर चोट के निशान के चलते उसकी पहचान नहीं हो सकी।

गांव वालों की सूचना पर ACP चंद्रपाल सिंह थरवई पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। लाश को मिट्टी खुदवा कर बाहर निकलवाया। अधिकारियों ने लाश देखकर तीन–चार दिन पहले घटना होने की आशंका जताई है। जिस जमीन पर लड़की की लाश दफनाई गई, वह रामचंद्र यादव की बताई जा रही है। एसीपी चंद्रपाल सिंह के मुताबिक, युवती की उम्र 18 से 20 साल के बीच है। उसने हरे रंग की लैगिंग और टी शर्ट पहन रखी थी। उसके दोनों पैर दुपट्टे से बांधे गए थे। शव से दुर्गंध न आने के कारण पुलिस मान रही है कि हत्यारों ने एक दो दिन के भीतर ही यहां पर शव को ठिकाने लगाया है। गहरे जख्म होने के चलते युवती का चेहरा साफ नहीं दिख रहा था। उसके शरीर पर सूजन थी और कीड़े रेंग रहे थे। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर उसका स्पोर्ट शूज और मोजा भी पड़ा मिला है। आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट से भी मिलान किया जा रहा है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए हैं। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक थरवई संतोष कुमार पांडेय आदि ने मौके पर पहुंच कर जानकारी ली।

अतीक गिरोह से 80 करोड़ की सरकारी जमीन वापस ली

फर्जी कागजों से 38 बीघा जमीन हड़पी थी, एसडीएम की जांच में खुलासा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के करीबियों से 80 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 38 बीघा सरकारी जमीन वापस ले ली गई है। यह जमीन सिलना गांव (नसीरपुर) में प्रयागराज एयरपोर्ट के पास स्थित है, जिस पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जा कर लिया गया था। एसडीएम सदर अभिषेक सिंह की जांच में यह पूरा मामला सामने आया। पुराने अभिलेखों की पड़ताल और राजस्व टीम की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी न्यायालय में सुनवाई हुई। कब्जेदारों को नोटिस जारी किए गए, लेकिन वे जमीन के वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। इसके बाद जिलाधिकारी के आदेश पर 38 बीघा जमीन को सरकारी खाते में वापस दर्ज कर कब्जा मुक्त कराया गया।

जानकारों के मुताबिक एयरपोर्ट के ठीक पास स्थित इस जमीन की मौजूदा बाजार कीमत 80 करोड़ रुपये से अधिक है। जिन लोगों के नाम पर यह जमीन फर्जी तरीके से दर्ज की गई थी, उनमें अतीक अहमद के करीबी अमान उल्ला, इश्तियाक अहमद, इकबाल अहमद, गुलाम गौस और बिटानिया शामिल थे।

जिला प्रशासन अब इस जमीन की बाउंड्री कराने की तैयारी कर रहा है, ताकि इसे सरकारी योजनाओं में उपयोग किया जा सके। एयरपोर्ट जोन में तेजी से बढ़ती जमीन की कीमतों को देखते हुए, प्रशासन ने इस पूरे क्षेत्र में अन्य सरकारी जमीनों की भी जांच शुरू कर दी है। एसडीएम अभिषेक सिंह ने एयरपोर्ट क्षेत्र की अन्य संदिग्ध भूमियों की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भू–माफियाओं की ओर से सरकारी जमीनों पर कब्जे की कोशिशें बढ़ गई हैं, लेकिन अब सभी मामलों की सख्ती से जांच की जाएगी– एक–एक इंच सरकारी जमीन वापस ली जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह संदेश गया है कि भू–माफिया पर अब शिकंजा कसा जा रहा है। सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेदांता ने प्रयागराज में शुरू की मासिक कैंसर ओपीडी

कैंसर जांच और इलाज पर मिलेगी विशेषज्ञ सलाह, सीएम फंड देगा सहारा

प्रयागराज (संवाददाता)। मेदांता लखनऊ ने प्रयागराज में मासिक कैंसर ओपीडी शुरू की है। इसका लाभ प्रयागराज और आसपास के जिलों के कैंसर मरीजों को मिलेगा। यह ओपीडी हर माह के तीसरे शनिवार को आयोजित की जाएगी, जिससे मरीजों को समय पर विशेषज्ञ सलाह मिल सकेगी। यह ओपीडी सनातन हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर, प्रयागराज में संचालित होगी। मेदांता लखनऊ के हेड एंड नेक कैंसर विभाग के डायरेक्टर डॉ. विवेकानंद सिंह यहां मरीजों की जांच और परामर्श देंगे। ओपीडी का समय हर महीने के तीसरे शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है।

डॉ. विवेकानंद सिंह ने बताया कि कैंसर के शुरुआती लक्षणों को अक्सर लोग गंभीरता से नहीं लेते, जबकि समय पर जांच और इलाज से सफल उपचार की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने विशेष रूप से गले में लगातार खराश, मुंह में ठीक न होने वाले घाव, आवाज में बदलाव या निगलने में कठिनाई जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैंसर के इलाज को सुलभ बनाने में सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से कैंसर मरीजों के इलाज के लिए 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

प्रदान की जाती है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी मदद मिलती है। मेदांता के डॉक्टरों के अनुसार, जहां अन्य स्थानों पर कैंसर के इलाज में 10 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है, वहीं मेदांता में यह इलाज लगभग 5 लाख रुपये में पूरा हो जाता है। मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली सहायता से मरीजों के लिए इलाज और भी किफायती तथा सुगम हो जाता है।

प्रयागराज के बैंक मैनेजर से ठगी, केस दर्ज, अस्पताल संचालक समेत छह पर केस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र में एक बैंक मैनेजर से 49 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जीटीबी नगर निवासी मोहम्मद अनवर साजिश हाशमी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि आयुष्मान अस्पताल के संचालक सहित छह लोगों ने उपकरण खरीदने और मकान बेचने के बहाने उनसे बड़ी रकम ठग ली। पीड़ित अनवर के अनुसार, उनकी मुलाकात एक परिचित के माध्यम से अस्पताल संचालक मोहम्मद अमीर और नबील कादरी से हुई थी। इन दोनों ने उपकरण खरीदने के नाम पर उनसे 15 लाख रुपये लिए थे। समझौते के तहत, उन्हें 25 लाख रुपये पांच–पांच लाख की किस्तों में लौटाने थे, लेकिन पहली किस्त मिलने के बाद शेष राशि नहीं लौटाई गई। अनवर का आरोप है कि जब उन्होंने बार–बार पैसे वापस करने का दबाव डाला, तो अमीर ने करेली स्थित अपना मकान 28 लाख रुपये में बेचने का

प्रस्ताव दिया। इस पर अनवर ने अपने मित्र आसिफ गुलजार के साथ मिलकर 24.50 लाख रुपये का भुगतान कर दिया, लेकिन मकान का बैनामा नहीं कराया गया। इसी दौरान, अमीर की मां बुशरा खातून ने दावा किया कि मकान उनके नाम पर है और इसकी कीमत 40 लाख रुपये बताई।

प्रयागराज में 17 नवम्बर से शुरू होगा स्क्वैश टूर्नामेंट

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश स्क्वैश रैकेट्स एसोसिएशन के देखरेख में प्रथम यदुपति सिंघानिया मेमोरियल नेशनल सर्किट स्क्वैश टूर्नामेंट 2025 का आयोजन 17 से 20 नवंबर तक अमितायह टूर्नामेंट देश के उभरते स्क्वैश खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा। प्रतियोगिता में देशभर के 21 राज्यों से 11 वर्गों में कुल 219 खिलाड़ी शामिल होंगे। चार दिवसीय यह आयोजन अंडर–11, 13, 15, 17, 19 आयु वर्गों के साथ–साथ पुरुष और महिला वर्गों में भी होगा। प्रतियोगिता नॉक–आउट प्रणाली पर आधारित रहेगी और विजेताओं को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश स्क्वैश रैकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष माधव कृष्ण सिंघानिया ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्वर्गीय यदुपति सिंघानिया की खेल विकास के प्रति अदम्य निष्ठा और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की भावना को समर्पित है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्राप्त रिकॉर्ड भागीदारी दर्शाती है कि खेल के प्रति उत्साह नई ऊंचाइयां छू रहा है। संघ के सचिव विनय पांडे ने बताया कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में स्क्वैश ने गति पकड़ी है और यह टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा के नए मानक स्थापित करेगा। समापन दिवस 20 नवंबर को यदुपति सिंघानिया खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।भ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, प्रयागराज में किया जाएगा।

ट्रायल कोर्ट अपना फैसला हिंदी में लिखें या अंग्रेजी में

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि ट्रायल कोर्ट अपने फैसले या तो पूरी तरह हिंदी में लिखें या पूरी तरह अंग्रेजी में। दोनों भाषाओं को मिलाकर लिखा गया निर्णय स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने आगरा की सत्र न्यायालय के एक फैसले को इसका सर्वोत्तम उदाहरण बताते हुए उसकी कॉपी चीफ जस्टिस और राज्य के न्यायिक अधिकारियों को भेजने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने पाया कि फैसला 54 पन्नों का था, जिसमें 63 पैराग्राफ अंग्रेजी में व 125 हिंदी में और 11 पैराग्राफ दोनों भाषाओं के मिश्रण थे। इससे साधारण हिंदी भाषी व्यक्ति फैसला समझ नहीं सकता। कोर्ट ने कहा कि निर्णय एक ही भाषा में लिखा जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्टध्हाईकोर्ट के अंग्रेजी अंश या हिंदी में दर्ज मृत्युकालिक कथन जैसे उद्धरण अपनी मूल भाषा में दिए बगैर जा सकते हैं, बशर्ते उनका अनुवाद भी दिया जाए। मामले के अनुसार हाईकोर्ट ने 2021 की दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति को दोषमुक्त करने के निर्णय को सही ठहराते हुए कहा कि अभियोजन दहेज की मांग से जुड़ी क्रूरता साबित नहीं कर सका। ब्याहता की मृत्यु सात वर्ष के भीतर और अप्राकृतिक (एल्यूमिनियम फॉस्फाइड विषाक्तता) से हुई थी, लेकिन गवाहों के बयान विरोधाभासी थे और मृत्यु से पूर्व कोई क्रूरता सिद्ध नहीं हुई। रिकॉर्ड से यह भी सामने आया कि पति ने पत्नी को अस्पताल पहुंचाया, बिल भरे और अंतिम संस्कार किया, जो उसके सद्भावपूर्ण आचरण को दर्शाता है। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का फैसला साक्ष्यों की सही सराहना पर आधारित है और अपील खारिज कर दी।

प्रयागराज में 70 से अधिक दिव्यांगों ने कराया पंजीकरण

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में दिव्यांगजनों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिड टाउन 16 और 17 नवंबर को निशुल्क बैटरी ऑपरेटेड कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का आयोजन करेगा। इस शिविर में अब तक 70 से अधिक दिव्यांगजन पंजीकरण करा चुके हैं। यह शिविर विश्व हिंदू परिषद के केसर भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा, जहां जरूरतमंद दिव्यांगों को आधुनिक कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराए जाएंगे। रोटरी क्लब के अध्यक्ष सीए विनय गोयल ने बताया कि यह आयोजन पुणे की ईनाली फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे ये बैटरी चालित कृत्रिम हाथ तकनीकी रूप से उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाले हैं। इन कृत्रिम हाथों में लगी हाई–ग्रेड बैटरी लंबे समय तक चलती है। ये हाथ दिव्यांगजनों को पकड़ने, उठाने और अन्य दैनिक कार्यों को आसानी तथा आत्मविश्वास के साथ करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे उनका जीवन सहज हो सकेगा। विनय गोयल ने बताया कि शिविर के प्रति लोगों में उम्मीद से अधिक रुचि देखी जा रही है। यदि पंजीकरण संख्या बढ़ती है, तो शिविर के दिनों को आगे बढ़ाया जा सकता है ताकि कोई भी जरूरतमंद दिव्यांग इस अवसर से वंचित न रहे।रोटरी क्लब की यह पहल केवल प्रयागराज तक सीमित नहीं है। इसी तरह के शिविर 19 नवंबर को मिर्जापुर, 21 नवंबर को वाराणसी और 23 नवंबर को एक बार फिर प्रयागराज में आयोजित किए जाएंगे। प्रयागराज में 23 नवंबर को होने वाले दूसरे शिविर में उन दिव्यांगजनों को भी बैटरी ऑपरेटेड कृत्रिम हाथ दिए जाएंगे जो पहली तिथि में शामिल नहीं हो पाए थे। शिविर की तैयारियों के दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति पर कृत्रिम हाथ का सफल प्रदर्शन भी किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने अत्यंत उपयोगी और प्रभावी बताया।

छात्रों ने संगम घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबद्ध सीएमपी डिग्री कॉलेज के जल गुणवत्ता एवं प्रबंधन कोर्स के विद्यार्थियों ने शनिवार को श्रमदान कर संगम क्षेत्र के घाटों पर सफाई अभियान चलाया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में छात्रों ने श्स्वच्छ गंगाश् अभियान चलाया गया। जिसके तहत न केवल घाटों को साफ किया गया बल्कि गंगा की पवित्रता और जल गुणवत्ता के संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। छात्रों ने हाथों में जागरूकता बैनर लेकर रैली निकाली और गंगा सेवा भारत सेवा, अविरल गंगा निर्मल गंगा, प्लास्टिक न तट पर लाओ जैसे नारे लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। इस मौके पर गंगा सेवा अभियान से जुड़े अधिवक्ता विजय द्विवेदी ने कहा कि गंगा की पवित्रता बनाए रखने के लिए हमें प्लास्टिक और रासायनिक वस्तुओं से दूरी बनानी होगी। उन्होंने कहा कि हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री प्रिंस कुमार ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा छोटे–छोटे प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने युवाओं से थिंक ग्लोबली, एक्ट लोकली का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कोर्स के समन्वयक एवं विद्यार्थी परिषद एसएफडी के महानगर प्रमुख डॉ. प्रमोद शर्मा ने कहा कि गंगा की निर्मलता और अविरलता एक दिन का कार्य नहीं बल्कि सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गंगा एकता की प्रतीक है और सबको साथ लेकर चलती है। प्रो. शर्मा ने कहा कि छात्रों ने सिर्फ कचरा नहीं उठाया, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी स्वीकार किया। ये विद्यार्थी देश के भविष्य के पर्यावरण प्रहरी हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को कई छात्र संगठनों ने चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जो छात्र उन्हें मारते, लड़ाई–झगड़ा करते हैं उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन कुछ नहीं बोलता। वहीं जब इसके खिलाफ पीड़ित छात्र आवाज उठाते हैं तो पुलिस आ जाती है। प्रदर्शन करने वालों में बीएपीएसए, एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा समेत विभिन्न छात्र संगठन शामिल हैं। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए टैगोर लाइब्रेरी से चीफ प्रॉक्टर ऑफिस तक विरोध मार्च निकाला। उसके बाद 2 घंटे तक प्रॉक्टर ऑफिस के बाहर बैठकर नारेबाजी हंगामा करते रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर पर भी शोध छात्र के साथ मारपीट का आरोप लगाया। इस दौरान छात्रों को विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी काफी देर तक समझाते रहे लेकिन वे उठने को तैयार नहीं थे। समाजवादी छात्र सभा के छात्रों ने प्रशासनिक भवन और वीसी ऑफिस घेरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बात से एतराज जताया कि विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहती है। इन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस को भय मुक्त बनाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर कैंपस के अंदर प्रॉक्टर और अन्य प्रोफेसर 20 से 25 पुलिसकर्मियों के साथ भौकाल दिखाते हुए रील बना रहे हैं जिससे छात्रों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई के सदस्य शुभम ने कहा कि विश्वविद्यालय में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है यह बेहद शर्मनाक है। प्रॉक्टोरियल टीम छात्रों के साथ मारपीट कर रही है। विश्वविद्यालय कैंपस में चेकिंग के दौरान शोध छात्र को एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने थप्पड़ मार दिया। घटना से छात्र बेहद परेशान है और इसका असर दूसरे छात्रों पर भी नकारात्मक रूप से पड़ रहा हम लोग ऐसे छात्र और प्रॉक्टर टीम का विरोध करते हैं जो अनावश्यक छात्रों से मारपीट कर रहे हैं। छात्रों को सुरक्षित महसूस करवाना यह विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर छात्रों को टारगेट करके उनके साथ मारपीट करना गलत है, इसका हम लोग कड़ा विरोध करते हैं। विश्वविद्यालय शिक्षा के मंदिर से अब गुंडागर्दी का अड्डा बन चुका है। असिस्टेंट प्रोफेसर से लेकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड तक गुंडई कर रहे हैं। जो आरोपी प्रोफेसर है वह सामने आकर माफी मांगें। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा राहुल पांडेय हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वह पहले भी इस तरह की हरकत

कर चुके हैं जिससे तमाम छात्र आक्रोशित हैं। जब तक वह माफी नहीं मांगते, बोर्ड से इस्तीफा नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्र अभिषेक ने कहा असिस्टेंट प्रोफेसर के द्वारा छात्र को थप्पड़ मारना शर्मनाक है। हम लोग वीसी से मिलकर इस घटना के बारे में जानकारी देने आए हैं। हमारी मांग है कि असिस्टेंट प्रोफेसर को प्रॉक्टोरियल बोर्ड से बर्खास्त किया जाए। प्रोफेसर शोध छात्रा से सबके सामने माफी मांगें।

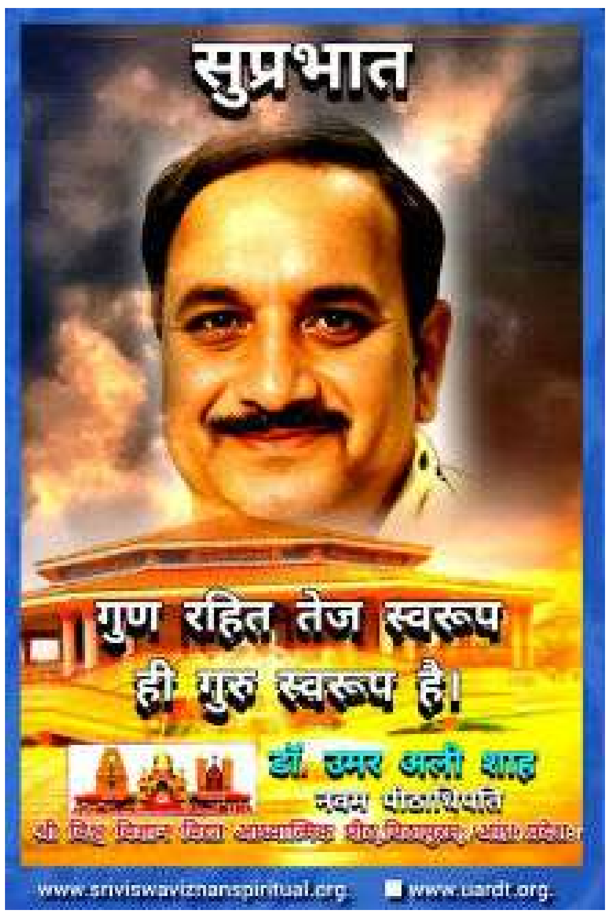

मिशन निदेशक ने इंडिया स्किल्स कम्पटीशन की तैयारियों को लेकर की वर्चुअल बैठक

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 से 25 तारीख के मध्य और मंडल स्तरीय 1 से 10 दिसंबर के बीच होगी

लखनऊ, (संवाददाता)। कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक की अध्यक्षता में #IndiaSkillsCompetition2025 की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के कौशल विकास मिशन संयुक्त निदेशकों एवं जिला समन्वयकों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।मिशन निदेशक पुलकित खरे ने अवगत कराया कि प्रतियोगिता का प्रथम चरण जनपद स्तरीय होगा, जिसके लिए प्रदेशभर से युवाओं द्वारा अभूतपूर्व पंजीकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रतियोगिता चयनित 20 कौशलों में आयोजित की जाएगी, जिसके लिए 18 मंडलों से 5दृ6 प्रमुख विधाएँ चिन्हित की गई हैं। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 से 25 तारीख के मध्य नोडल आईटीआई में आयोजित होगी। इसके संचालन हेतु प्रत्येक जनपद में संयुक्त निदेशक एवं नोडल प्रिंसिपल की द्विसदस्यीय समिति गठित की गई । निर्देश दिया गया कि प्रतियोगिता में न्यूनतम 90 फीसदी प्रतिभागियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। पंजीकृत अभ्यर्थियों को समय पर सूचित करने के निर्देश प्रदान किए गए, ताकि अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित हो सके।जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत प्रत्येक जनपद से 10 चयनित प्रतिभागियों के नाम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय को प्रेषित किए जाएंगे। ये चयनित प्रतिभागी 1 दिसंबर से 10 दिसंबर के मध्य आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। मंडल स्तर पर मूल्यांकन हेतु संयुक्त निदेशक एवं इंडस्ट्री विशेषज्ञों की 2दृ3 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी, जिनकी सूची अनुमोदन हेतु मिशन मुख्यालय को भेजी जाएगी। अनुमोदन उपरांत संबंधित विधाओं के लिए सील्ड पैक प्रश्नपत्र मिशन द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु प्रत्येक विधा से न्यूनतम पाँच चयनित अभ्यर्थियों की अवरोही क्रम में सूची मिशन मुख्यालय भेजना अनिवार्य होगा।बैठक के अंत में मिशन निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण प्रतियोगिता प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं अवसर–समानता के सिद्धांतों पर आधारित हो तथा प्रत्येक पंजीकृत उम्मीदवार को प्रतिभाग का पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाए। बैठक में मिशन के संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार एवं मिशन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

9 साल से लंबित मांगों को जेकर लेखपाल संघ ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर सरोजनी नगर लेखपाल संघ ने शनिवार को तहसील समाधान दिवस सहित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। लेखपालों ने अपनी नौ साल से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस पहल न किए जाने के विरोध में तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। संघ की प्रमुख मांगों में राजस्व लेखपाल संवर्ग को तकनीकी संवर्ग घोषित करना, पदनाम बदलकर राजस्व उपनिरीक्षक करना और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक निर्धारित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक वेतनमान को ग्रेड पे 2800 करने की मांग भी की गई। लेखपालों ने पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और हर पांच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने की मांग की। उन्होंने चार राजस्व निरीक्षकों के सापेक्ष एक नायब तहसीलदार का पद सृजित करने और इन दोनों पदों पर लेखपालों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की भी मांग उठाई। नायब तहसीलदार के पद पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती में से 25 प्रतिशत पद लेखपालों के लिए विभागीय परीक्षा के माध्यम से आरक्षित करने की मांग भी की गई। एसीपी विसंगति को दूर करने की मांग भी प्रमुख रही। इसमें प्रथम एसीपी में 10 वर्ष की सेवा पर 2800 ग्रेड पे, द्वितीय में 16 वर्ष पर 4200 ग्रेड पे और 26 वर्ष की सेवा पर 4600 ग्रेड पे प्रदान करने की मांग शामिल है। अन्य मांगों में स्टेशनरी भत्ता 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए और विशेष भत्ता 2500 रुपए करना शामिल है। संगठन ने अंतरमंडलीय स्थानांतरण बहाल करने और 2004 के बाद नियुक्त मृतक आश्रित लेखपालों को पेंशन स्वीकृत करने की भी मांग की। जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण को देखते हुए लेखपालों के पदों में वृद्धि करने, साथ ही राजस्व सहायक और राजस्व चौकी की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई। इस धरना–प्रदर्शन में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पटवारी संघ के अध्यक्ष राम मूरत यादव, जिला उपमंत्री रंजीत वर्मा, तहसील अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा और मंत्री नीतू यादव सहित कई लेखपाल मौजूद रहे। संगठन ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सरोजनी नगर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा है।

लखनऊ में बिजली विभाग की वर्टिकल हेल्प डेस्क शुरू, प्रबंध निदेशक ने नारियल फोड़ा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में बिजली विभाग में वर्टिकल व्यवस्था लागू हो गई है। अब शहर 15 लाख ग्राहकों को अगर कोई परेशानी होती है तो वह सीधे 1912 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए शहर को जोन वाइज बांटकर हेल्प डेस्क शुरू कर दी गई हैं। हेल्प डेस्क ने हर जोन के लिए काम करना शुरू कर दिया है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने सेंट्रल कार्यालय के बाहर नारियल फोड़कर हेल्प डेस्क शुरू कर दी। उपभोक्ताओं को नई व्यवस्था में भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए चीफ इंजीनियर से लेकर ग्राउंड लेवल तक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश हैं। मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि 6 अस्थायी हेल्प डेस्क के अलावा 10 अस्थायी हेल्प डेस्क और खोली जा रही हैं। हेल्प डेस्क पर शिकायत करने पर ग्राहक को बताया जाएगा कि पहले टोल फ्री नंबर 1912 पर भी शिकायत दर्ज कर दें। इसका उद्देश्य है कि हर शिकायत की मॉनिटरिंग हो सके। इसीलिए 1912 पर पूरा ध्यान देने की बात प्रबंध कर रहा है। यह हेल्प डेस्क बिजली विभाग के कार्यालय के टाइम टेबल के अनुसार काम करेगी। फॉल्ट ठीक करने के लिए उस पाली में तैनात गैंग या कार्यदायी संस्था को काम आवंटित करेंगे। नामित मरम्मत गैंग शट डाउन लेकर काम पूरा करने के बाद बिजली लाइन चालू करेंगे। फेस लेस कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता को ऑफिस नहीं बुलाया जाएगा। किसी भी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी तो उपभोक्ता से ई–मेल, वॉट्सऐप, उपभोक्ता एप और उपभोक्ता सहायक केंद्र और मध्यांचल के चौट बॉक्स 8010924203 के माध्यम से लिए जाएंगे। मुख्य अभियंता लखनऊ मध्य रवि कुमार ने बताया किसी भी प्रकार के बिल संशोधन के लिए उपभोक्ता 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं। यदि ऑनलाइन शिकायत न कर सकें तो नजदीकी हेल्प डेस्क पर जाएं। हेल्प डेस्क शिकायत को 1912 पर दर्ज कर देगा और पंजीकरण नंबर उपलब्ध कराएगा। बिल सही होने पर लिंक के माध्यम से उपभोक्ता को संशोधन का मेमो मिलेगा, जिससे वह खुद नया बिल

देख और सत्यापित कर सकेंगे। शिकायत दर्ज कराने के विकल्प रहेगा। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार के अनुसार, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) नए कनेक्शन, बिलिंग, वसूली और उपभोक्ता सेवाओं के प्रभारी होंगे। अधीक्षण अभियंता (तकनीकी) निर्बाध बिजली आपूर्ति, 440 वोल्ट, 11 केवी और 33 केवी लाइनों के फॉल्ट सुधार और ई–लाइन निर्माण के जिम्मेदार होंगे। दोनों विंग में अधिशासी, सहायक और अवर अभियंता सहयोग करेंगे, जबकि शीर्ष पर मुख्य अभियंता होंगे।

लोकपाल समाज शेखर ने खीरी वीर बाबा धाम का किया भ्रमण व निरीक्षण

स्थान को पुनर्जागृत करने की आवश्यकता – समाज शेखर

प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ धाम ब्लाक के ग्राम चालाकपुर वाद फरोसान स्थित प्राचीन खीरी बीर बाबा धाम का लोकपाल मनरेगा व प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने दर्शन पूजन किया। मंदिर परिसर में लोकपाल ने जिला सोशल आडिट समन्वयक असित सिंह के साथ धाम भ्रमण किया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह को हरिशंकरी पौध धाम परिसर में रोपण हेतु लोकपाल द्वारा प्रदान किया गया । लोकपाल समाज शेखर ने सम्बन्धित ग्राम पंचायत को धाम परिसर में अपेक्षित विकास कार्य में सहयोग का निर्देश दिया।

खीरी बीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह के आमंत्रण पर पहुँचे लोकपाल समाज शेखर ने सर्वप्रथम पूजन किया। तदोपरांत धाम परिसर का व्यापक निरीक्षण किया। उत्तर पूर्व कोण पर हरिशंकरी पौध के रोपण का सुझाव देते हुए एक सेट पीपल, पाकड व बरगद का पौध प्रदान किया गया। प्राचीन प्रसिद्ध शिवलिंग के साथ प्राचीन पीपल व काली माँ के स्थान को अद्भुत बताते हुए इसके संरक्षण व प्रबन्धन में स्थानीय समाज व सरकार की प्रभावी कोशिश को अपरिहार्य बताया। उन्होंने धाम के सर्वांगीण विकास हेतु स्थान के पुनर्जागरण पर बल दिया। स्थानीय लोक भागीदारी से धाम की नियमित गतिविधियों से जीवंतता आयेगी।

लोकपाल समाज शेखर ने सुझाव दिया कि संकल्प के साथ सुगम समय में उत्सव व महोत्सव आयोजित कर स्थल को पुनर्जागृत किया जा सकता है । जनपद मुख्यालय के करीब होने से इस स्थल तक सभी जरूरी सुविधा व संसाधन को आसानी से जोड़ा जा सकता है। इसके घाट, मार्ग को प्राथमिकता पर सुव्यवस्थित किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने धाम के विकास में ग्राम पंचायत को अपेक्षित सहयोग व सहभागिता का निर्देश देते हुए जन सहयोग व लोक भागीदारी पर बल दिया।

योगी विजन: अयोध्या बना डेवलपमेंट का रोल मॉडल

अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, मिलेगा लोगों को रोजगार

लखनऊ, (संवाददाता)। राम की नगरी अयोध्या विश्व के मानचित्र पर धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, विकसित शहर के रूप में समृद्धि और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इसका श्रेय सीएम योगी आदित्यनाथ को जाता है।श्रीराम मंदिर के निर्माण के पहले से ही सीएम योगी अयोध्या को उसके गौरवशाली इतिहास को पुनरू वापस दिलाने के लिए योजना पर काम कर रहे हैं। अयोध्या में आज देशी विदेशी पर्यटक बड़ी तादाद में आ रहे हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश में रामनगरी के विकास के लिए अनेकों प्लान बनाए गए हैं और उसको विभिन्न विभागों के साथ मिलकर धरातल पर उतारा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया और उसके क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए। शहर के नगर नियोजन के लिए 1000 करोड़ से ज्यादा धनराशि उपलब्ध कराकर एक व्यापक शहरी खाका खींचा। ये मास्टर प्लान 133.67 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विकास की योजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। अयोध्या को एक आधुनिक, सतत, और आध्यात्मिक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार किया जाए। अयोध्या में जनवरी–जून के बीच करीब 24 करोड़ पर्यटक आए। अनुमान लगाया जा रहा है कि साल के अंत तक पर्यटकों की संख्या का आंकड़ा 50 करोड़ पार कर जाएगा। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण–अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। रामनगरी में बढ़ती पर्यटकों की संख्या के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार हो रहा है। अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के तहत 1407 एकड़ में 2180 करोड़ रुपये की ज्यादा लागत से स्मार्ट और पर्यावरण–अनुकूल टाउनशिप विकसित हो रही है। इस टाउनशिप योजना का विकास वैदिक प्रस्तार योजना के तहत हो रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य में बढ़ने वाले पर्यटकों की संख्या और जनसंख्या दबाव को संतुलित ढ़ंग से प्रबंधित करना है।अयोध्या में हर साल पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। रामलला के दर्शन के लिए न केवल देश बल्कि विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। ऐसे में अयोध्या में एक अत्याधुनिक हवाई अड्डे की भी आवश्यकता थी। इसी को ध्यान में रखते हुए डबल इंजन सरकार ने 1450 करोड़ की लागत से आधुनिक एयरपोर्ट का विकास किया। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 2023 से सफलतापूर्वक संचालित है। इस एयरपोर्ट में 6000 वर्ग मीटर का टर्मिनल और बड़े विमानों के लिए रनवे है। यह एयरपोर्ट अयोध्या को भारत के प्रमुख शहरों और अंतरराष्ट्रीय शहरों से जोड़ता है। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन लाखों की संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है। अयोध्या शहर में ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए 67.17 किलोमीटर लंबी, 4/6 लेन की अयोध्या आउटर रिंग रोड परियोजना पर काम हो रहा है।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी बाल दिवस के उपलक्ष्य में समारोह गूगल मीट द्वारा शहर

समता विचार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना के अध्यक्षता सचिव उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि छाया सक्सेना प्रभु काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनुराधा गर्ग । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, आशा जाकड़,सरिता कपूर, साधना खरे, डॉ कुमकुम शुक्ला, सुनीता मिश्रा, डॉ कुमारी शशि जायसवाल, दया शर्मा शिलांग डॉ मधु पाठक जौनपुर, सुनीता गुप्ता, पूनम पांडे सभी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

सम्पादकीय.......

पंजाब में रेल नेटवर्क

चंडीगढ़ में रेल लाइन की घोषणा करते हुए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दावा किया कि इस परियोजना से लगभग 10 लाख लोगों को लाभ होगा और करीब 2.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे। फिरोजपुर और अमृतसर के बीच की दूरी 196 किमी से घटकर लगभग 107 किमी रह जाएगी जबकि जम्मू–फिरोजपुर–फाजिल्का–मुंबई कॉरिडोर की दूरी 236 किमी कम हो जाएगी। इसी तरह फिरोजपुर–खेमकरण की दूरी 273 से घटकर 69 किमी हो जाएगी। मंत्री ने कहा, यह परियोजना मालवा और माझा क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी जिससे क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार होगा। नई रेल लाइन जालंधर–फिरोजपुर और पट्टी–खेमकरण मार्गों को जोड़ेगी जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक सीधा और वैकल्पिक संपर्क स्थापित होगा। परियोजना से बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक फायदे होंगे। यह रेल लाइन प्रतिदिन 2,500 से 3,500 यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करेगी जिससे विशेष रूप से छात्रों, कर्मचारियों और ग्रामीण मरीजों को पी लाभ पहुंचेगा। रेल मंत्री ने कहा कि यह नया मार्ग विभाजन के समय खोए हुए खेमकरण तक ऐतिहासिक रूट को पुनर्जीवित करेगा। केंद्र सरकार पंजाब में रेल नेटवर्क को और मजबूत करने में जुटी है। इसी कड़ी में अब 9927 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं से सूबे में रेल तंत्र को और विस्तार दिया जाएगा। इसके अलावा 4768 करोड़ के प्रोजेक्ट भी सिरे चढ़ चुके हैं। 30 अमृत स्टेशनों की कायाकल्प और 88 आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) व आरयूबी (रोड अंडर ब्रिज) का काम जारी है। अमृतसर या फिरोजपुर से चंडीगढ़ तक एक नई वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है जबकि फिरोजपुर–नई दिल्ली के बीच शुरू हुई वंदे भारत का ठहराव संगरूर में भी करने पर विचार चल रहा है। इन परियोजनाओं पर चल रहा काम: नंगल डैम–तलवाड़ा नई लाइन (123 किमी, 2018 करोड़) भानुपल्ली–बिलासपुर–बेरी नई लाइन (63 किमी, 6,753 करोड़) मानसा बठिंडा डबलिंग (80 किमी, 449 करोड़) लुधियाना–किला रायपुर डबलिंग (17 किमी, 238 करोड़) लुधियाना–मुल्लांपुर डबलिंग (21 किमी, 295 करोड़) ज अलाल–हिम्मतना डबलिंग (13 किमी, 174 करोड़)। ये प्रोजेक्ट सिरे चढ़े रू– नंगल डैम–दौलतपुर चौक नई लाइन (61 किमी, 672 करोड़) (तीन किमी, 15 करोड़) किमी, 163 करोड़) चक्की बैंक भरोली डबलिंग जाखल–मानसा डबलिंग (45 जालंधर–सुच्चीपिंड डबलिंग (4 किमी, 24 करोड़) अंबाला–चंडीगढ़ डबलिंग (45 किमी, 338 करोड़) मानसा–बठिंडा डबलिंग (49 किमी, 216 करोड़) अमृतसर–छेहरटा डबलिंग (7 किमी, 31 करोड़) जालंधर–जम्मू तवी डबलिंग (211 किमी, 850 करोड़) राजपुरा–बठिंडा डबलिंग (173 किमी, 2,459 करोड़) पंजाब के विकास के लिए आश्वयक है कि सड़क और रेल मार्ग मजबूत हो। सड़कें और रेलमार्ग वही काम करते हैं जो शरीर में नसें करती हैं। अगर नसें कमजोर हों तो शरीर भी कमजोर होने लगता है। पंजाब के विकास का आधार मजबूत बुनियादी ढांचा ही है। इसलिए पंजाब हित को सम्मुख रखते हुए ऐसी तमाम योजनाएं जो पंजाब के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है, चाहे वह प्रदेश सरकार द्वारा बनाई हो या केंद्र सरकार की हों उनका दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्वागत होना चाहिए और सरकारों को सहयोग भी देना चाहिए।

खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका

डॉ. दीपक पाचपोर

मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है ।

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है।

जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है। दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है। लेकिन इसकी शर्त यही है कि लापरवाही से सरकारी खर्च न बढ़ाया जाए या कोई खराब योजना का क्रियान्वयन न हो। ऐसे में आंकड़े तो दिखा सकते हैं कि कीमतें नियंत्रण में हैं, लेकिन लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी बयां कर सकते हैं। देश में सच्ची प्रगति तभी मानी जा सकती है, जब राहत हर घर तक पहुंचेगी। लेकिन जरूरत इस बात की है कि राहत सिर्फ सरकारी आकंड़ों में ही नजर न आए। यह भी हकीकत है कि कीमतों का संतुलन मांग व आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जिसकी ओर भी सत्ताधीशों को ध्यान देने की जरूरत होती है। निस्संदेह, ऐसे में खुदरा महंगाई में गिरावट सुखद ही है, लेकिन जरूरत इस बात की भी कि यह राहत आम आदमी को भी महसूस होनी चाहिए।

आतंकी हमले पर सरकार का ढीला रवैया

शकील अख्तर

बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लाल किला के पास हुए आतंकी हमले पर प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रस्ताव पढ़ते हुए कहा– मंत्रिमंडल ने इस आतंकी घटना को राष्ट्र–विरोधी ताकतों ने अंजाम दिया गया जघन्य बताया। जांच एजेंसियों को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशक्ति) नीति है। इस प्रस्ताव के बाद अब यह तय माना जाए कि लाल किले के पास जो आत्मघाती हमला हुआ वह वास्तव में देश की राजधानी पर एक और आतंकवादी हमला ही था। क्योंकि सोमवार को जब यह धमाका हुआ और इसे आतंकी हमला ही माना गया, तब भी सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। पुलिस ने तो यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था, लेकिन खबरें चल रही थीं कि सीएनजी विस्फोट जैसी कोई घटना भी हो सकती है। आतंकी हमले को स्वीकार करने में देरी के पीछे कुछ कारण हो सकते हैं, जैसे 11 तारीख को बिहार में दूसरे चरण का मतदान था, ऐसे में भाजपा की यह बड़ी नाकामी जाहिर नहीं की जा सकती थी। या अभी पहलगाम हमले के जख्म हरे ही हैं कि देश पर एक और आतंकी हमला हुआ तो जनता सवाल कर सकती है कि मोदी सरकार आखिर कौन सी सख्ती की बात करती है, जब उसकी नाक के नीचे हमले हो रहे हैं। बुधवार को पारित प्रस्ताव में मंत्रिमंडल ने इस हमले के पीछे राष्ट्रविरोधी ताकतों को जिम्मेदार तो ठहराया गया है, लेकिन लगे हाथ मोदी सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि राष्ट्रविरोधी कहकर वह किस ओर संकेत कर रही है। क्योंकि अभी तक तो देश पर हुए तमाम आतंकी हमलों में पाकिस्तान पर आरोप लगाए जाते रहे हैं। लेकिन इस बार अब तक किसी भी संगठन ने खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सरकार ने भी अपने प्रस्ताव में कहीं भी पाकिस्तान का नाम नहीं लिया है। अगर इसमें पाकिस्तान का हाथ नहीं है, तो वह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। क्योंकि पहलगाम हमले में भी यही माना गया था कि पाकिस्तान ने आतंकवादी भेजे जिन्होंने हिंदुओं को उनका धर्म पूछकर मारा। इसके बाद ही ऑपरेशन सिंदूर हुआ और प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर अभी चल ही रहा है। याद रखें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मोदी सरकार ने तय किया था कि किसी भी आतंकी हमले को एक्ट ऑफ वॉर यानी युद्ध माना जाएगा, तो फिर अब केवल निंदा प्रस्ताव और कड़ी कार्रवाई के निर्देश जैसी औपचारिकताओं पर ही सरकार क्यों अटकी हुई है। पाकिस्तान इस हमले के पीछे नहीं है, तो फिर देश को और किन विरोधी ताकतों से खतरे खड़े हो गए हैं, इस बारे में भी सरकार को आगाह करना चाहिए। वैसे कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि हमले के तार जैश–ए–मोहम्मद और अंसार गजवत–उल–हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे। इसमें तुर्किए से मदद का आरोप लगा, जो इस समय पाकिस्तान के करीब है। लेकिन तुर्किये के डायरेक्टरेट ऑफ कम्युनिकेशंस के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइंफॉर्मेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा है कि – भारत के कुछ मीडिया आउटलेट्स में जानबूझ कर ऐसी खबरें चलाई जा रही हैं कि तुर्किये आतंकवादियों को लॉजिस्टिक, आर्थिक या कूटनीतिक मदद देता है। ये सब एक दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा हैं, जिसका मकसद भारत–तुर्किये संबंधों को नुकसान पहुंचाना है। बयान में कहा गया कि तुर्किये हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई रोल निभा रहा है। तुर्किये ने साफ कहा कि भारत या किसी अन्य देश में कट्टरपंथी गतिविधियों में उसकी कोई भूमिका नहीं है। इधर यूपीए सरकार में गृहमंत्री रहे पी चिदम्बरम ने घरेलू आतंकवादियों पर अपनी आशंका और चिंता जाहिर करते हुए सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं, उन्होंने कहा है कि मैंने पहले भी कहा था और पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी दोहराया था कि आतंकवादियों के दो प्रकार हैं– एक विदेशी प्रशिक्षण प्राप्त कर भारत में घुसपैठ करने वाले और दूसरे घरेलू आतंकवादी। मैंने ये बात संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान भी कही थी, लेकिन तब मेरा मजाक उड़ाया गया और ट्रोल किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे कहना होगा कि सरकार ने तब भी और अब भी इस पर चुप्पी साधी रखी, क्योंकि सरकार जानती है कि घरेलू आतंकवादी भी हैं। गौरतलब है कि जुलाई में, ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में हुई बहस के दौरान, चिदंबरम ने कहा था कि पहलगाम हमलावर स्थानीय आतंकवादी हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके पाकिस्तान से आने का कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने एनआईए की जांच के बारे में जानकारी साझा न करने पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि अभी तक यह साफ नहीं है कि हमलावर कौन थे और कहां से आए। चिदम्बरम के इस बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने उन पर पाकिस्तान का बचाव करने का आरोप लगाया था। अब देखना होगा कि दिल्ली हमलों के बाद भी जब पूर्व गृहमंत्री घरेलू आतंकवादियों का संदेह उठा रहे हैं, तो मौजूदा गृहमंत्री कोई जवाब देते हैं या नहीं। अगर अमित शाह मानते हैं कि देश की जमीन पर भी आतंकवादी पनप रहे हैं, तो यह बात फिर से सरकार की बड़ी नाकामी के खाते में ही जाएगी। बताया जा रहा है कि दिल्ली धमाकों की साजिश जनवरी से की जा रही थी। फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन शाहिद ने बताया कि वह पिछले दो साल से विस्फोटक जमा कर रही थी। इधर जांच एजेंसियों का कहना है कि आतंकवादी धार्मिक स्थलों पर हमला कर देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग के डॉक्टरों को चुना, ताकि वे बिना रोकटोक कहीं भी जा सकें। अब सवाल ये है कि जब इतनी साजिश देश के भीतर रची जा रही थी तो अजित डोभाल और अमित शाह कर क्या रहे थे।

जितनी मुस्तैदी से ये लोग सब चंगा सी कहकर अपनी पीठ थपथपा लेते हैं, उतनी ही तेजी से लापरवाही की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते।वैसे इस समय जम्मू–कश्मीर में तेजी से धरपकड़ शुरु हो गई है और इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली हमले की निंदा की और कहा हमें एक बात याद रखनी चाहिए– जम्मू–कश्मीर का हर निवासी आतंकवादी नहीं है या आतंकवादियों से जुड़ा नहीं है। ये कुछ ही लोग हैं जिन्होंने यहां हमेशा शांति और भाईचारे को बिगाड़ा है। इस घटना के जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन हमें निर्दोष लोगों को इससे दूर रखना होगा। इस जरूरी बयान पर गौर फरमाना चाहिए।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के जनादेश के मायने

इकबाल सिंह चन्नी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंध ान (राजद–कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं।

वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अनंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91ः के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6ः की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं।

इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं– पहला, शासन और नेतृत्व पर असरः चुनाव परिणाम ने ष्डबल इंजनष की सरकार यानी केंद्र–राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉर्म्युले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता–समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा।

दूसरा, विपक्ष के लिए संदेशरू राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी वृत्तियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी।

तीसरा, सामाजिक–राजनीतिक पटल पर प्रभावरू वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा–स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता हैय वहीं जाति–आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है।

चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेतः बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है।

वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विध ानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी–जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है।

राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरणरू एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक–प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे।

वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे। साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा।

नीतिगत और समाजिक प्रभावरू बिहार में एनडीए की सरकार के विकास–कार्य, स्वास्थ्य–शिक्षा और महिला–सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिकता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं, खासकर मोदी सरकार 3.0 में सहयोगी दलों की भूमिका बढ़ सकती है।

आगामी लोकसभा चुनाव पर असररू बिहार परिणाम ने भाजपा को 2029 चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का ठोस आधार दिया है। विपक्षी गठबंधन को फिर से खुद को संगठित और प्रासंगिक साबित करने की चुनौतियां मिली हैं। बिहार जैसे राज्य का चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, गठबंधन व्यवस्था और चुनावी मुद्दों को गहराई से प्रभावित करता है। 2025 के नतीजे छक। को केंद्र में मजबूती व विपक्ष को नए सिरे से आत्ममंथन का संकेत देते हैं।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम न केवल प्रदेश की सत्ता राजनीति में बड़ा बदलाव लाते हैं, बल्कि विकास, नेतृत्व बदलाव और जातीय राजनीति जैसे अहम मुद्दों पर भी गहरा असर डालते हैं। यह परिणाम केंद्र–राज्य संबंध तथा विपक्ष की राजनीति पर भी दूरगामी असर करेंगे।

जेब में लहसुन की चटनी रखकर चलते हैं महेश मांजरेकर

सई मांजरेकर

'दबंग 3' एक्ट्रेस और फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर ने हाल ही में अपनी फिनलैंड ट्रिप की यादें साझा कीं। अमर उजाला से बातचीत में सई ने बताया कि कैसे ठंड और सन्नाटे से भरे इस देश ने उन्हें भीतर तक शांति दी। बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पापा से विरासत में मिली एक अनोखी ट्रैवल हैबिट भी साझा की। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यात्राओं के उनके लिए क्या मायने हैं? वे क्या सीखती हैं। पढ़िए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशरू श्लाइट्स बंद कर आसमान देखा तो नॉर्दर्न लाइट्स रंग बिखेर रही थींश फिनलैंड ठंडा और शांत देश है, शायद इसी सुकून ने वहां जाने की प्रेरणा दी। उस वक्त मेरी जिंदगी में बहुत कुछ चल रहा था, इसलिए चाहती थी कुछ पल सिर्फ शांति में बिताऊं और खुद से जुड़ सकूं। वहां पहुंचकर जो महसूस किया, वह उम्मीद से कहीं ज्यादा खूबसूरत था। सादगी भरी सड़कें, स्वच्छता और लोगों ने मन जीत लिया। हर कोई मददगार और विनम्र था, हर जगह अपनापन महसूस हुआ, ऐसा जो ठंडे मौसम में भी दिल को गर्मी दे गया। सबसे यादगार पल वो था जब हम ग्लास इग्लू में थे। लाइट्स बंद कर आसमान देखा तो नॉर्दर्न लाइट्स रंग बिखेर रही थीं। तभी एक शूटिंग स्टार गुजरा, हमने आंखें बंद कर इच्छाएं मांगीं। घड़ी में 11रू11 बजे थे। वो कुछ सेकंड का पल मेरे लिए हमेशा के लिए जादू बन गया। श्चाहती हूं कि हर सफर मुझे मेरे बेहतर वर्जन के करीब ले जाएश मेरे लिए ट्रैवल का मतलब है अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना। मैं जब भी ट्रैवल करती हूं तो कभी आराम को प्राथमिकता नहीं देती। मैं चाहती हूं कि जगह का हर कोना देखूं, हर एहसास जी लूं, चाहे थोड़ा मुश्किल ही क्यों न हो। मेरे लिए यह जानना जरूरी है कि मेरा शरीर कितना स्ट्रॉन्ग है, मेरा मन कितना शांत है। मैं चाहती हूं कि हर सफर मुझे मेरे बेहतर वर्जन के करीब ले जाए। श्परिवार के साथ ट्रैवल करने से रिश्ते और गहरे हो जाते हैंश्बचपन में हम अक्सर फैमिली वेकेशन्स पर जाते थे। मां, पापा, बहन, भाई, सबकी अपनी पसंद होती थी, अपने विचार होते थे। लेकिन उसी में हमने प्यार और एडजस्टमेंट सीखा। मुझे लगता है परिवार के साथ ट्रैवल करने से रिश्ते और गहरे हो जाते हैं, इसलिए आज भी उनके साथ किया हर सफर मेरे लिए खास होता है। श्पापा हमेशा अपनी जेब में लहसुन की चटनी रखते हैंश एक चीज जो मैंने अपने पापा से सीखी है, वो हमेशा याद रहती है। वो जब भी इंडिया के बाहर जाते हैं, तो अपनी जेब में लहसुन की चटनी रखते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि बाहर का खाना फीका होता है। और अब मैंने भी यह आदत उनसे ले ली है। मैं हमेशा अपने बैग में कुछ न कुछ तीखा रखती हूं, कभी मिर्ची, कभी टबैस्को या फिर कोई चटनी। शायद ये सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि अपनेपन की एक छोटी सी याद है जो मैं अपने साथ रखती हूं। श्मेरे लिए ट्रैवल सिर्फ एक ब्रेक नहीं, बल्कि एक नई दृष्टि हैश मुझे लगता है कि काम और ट्रैवल मेरे लिए एक–दूसरे से बहुत जुड़े हुए हैं। जब मैं नई जगहों पर जाती हूं, नए लोगों से मिलती हूं और नए कल्चर देखती हूं, तो मेरा दिमाग और विजन दोनों खुल जाते हैं। रोजमर्रा की भागदौड़ से बाहर निकलकर जब मन को शांति मिलती है, तभी असली क्रिएटिविटी आती है। इसलिए मेरे लिए ट्रैवल सिर्फ एक ब्रेक नहीं है बल्कि वो वक्त है जब मैं खुद को और दुनिया को एक नए नजरिए से देख पाती हूं। श्उस रात के तारे अब भी यादों में चमकते हैंश अगर फिनलैंड से मुझे कोई एक एहसास भारत लाना हो, तो वो वहां का आसमान होगा। रात को जब आप ऊपर देखते हैं तो इतने तारे दिखते हैं कि पूरा मिल्की वे साफ–साफ नजर आता है। वो नजारा इतना खूबसूरत था कि लगा जैसे पूरा ब्रह्मांड आपके सामने झुक गया हो। उस रात का सुकून, वो ठंडी हवा, वो चमकते तारे, शायद वही मैं भारत लाना चाहूंगी। वो एहसास जो दिल को भीतर तक शांत कर दे। श्लाइट्स बंद कर आसमान देखा तो नॉर्दर्न लाइट्स रंग बिखेर रही थींश फिनलैंड ठंडा और शांत देश है, शायद इसी सुकून ने वहां जाने की प्रेरणा दी। उस वक्त मेरी जिंदगी में बहुत कुछ चल रहा था, इसलिए चाहती थी कुछ पल सिर्फ शांति में बिताऊं और खुद से जुड़ सकूं। वहां पहुंचकर जो महसूस किया, वह उम्मीद से कहीं ज्यादा खूबसूरत था। सादगी भरी सड़कें, स्वच्छता और लोगों ने मन जीत लिया। हर कोई मददगार और विनम्र था, हर जगह अपनापन महसूस हुआ, ऐसा जो ठंडे मौसम में भी दिल को गर्मी दे गया। सबसे यादगार पल वो था जब हम ग्लास इग्लू में थे। लाइट्स बंद कर आसमान देखा तो नॉर्दर्न लाइट्स रंग बिखेर रही थीं। तभी एक शूटिंग स्टार गुजरा, हमने आंखें बंद कर इच्छाएं मांगीं। घड़ी में 11रू11 बजे थे। वो कुछ सेकंड का पल मेरे लिए हमेशा के लिए जादू बन गया। श्चाहती हूं कि हर सफर मुझे मेरे बेहतर वर्जन के करीब ले जाएश मेरे लिए ट्रैवल का मतलब है अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना। मैं जब भी ट्रैवल करती हूं तो कभी आराम को प्राथमिकता नहीं देती। मैं चाहती हूं कि जगह का हर कोना देखूं, हर एहसास जी लूं, चाहे थोड़ा मुश्किल ही क्यों न हो। मेरे लिए यह जानना जरूरी है कि मेरा शरीर कितना स्ट्रॉन्ग है, मेरा मन कितना शांत है। मैं चाहती हूं कि हर सफर मुझे मेरे बेहतर वर्जन के करीब ले जाए। श्परिवार के साथ ट्रैवल करने से रिश्ते और गहरे हो जाते हैंश बचपन में हम अक्सर फैमिली वेकेशन्स पर जाते थे। मां, पापा, बहन, भाई, सबकी अपनी पसंद होती थी, अपने विचार होते थे। लेकिन उसी में हमने प्यार और एडजस्टमेंट सीखा। मुझे लगता है परिवार के साथ ट्रैवल करने से रिश्ते और गहरे हो जाते हैं, इसलिए आज भी उनके साथ किया हर सफर मेरे लिए खास होता है। श्पापा हमेशा अपनी जेब में लहसुन की चटनी रखते हैंश एक चीज जो मैंने अपने पापा से सीखी है, वो हमेशा याद रहती है। वो जब भी इंडिया के बाहर जाते हैं, तो अपनी जेब में लहसुन की चटनी रखते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि बाहर का खाना फीका होता है। और अब मैंने भी यह आदत उनसे ले ली है। मैं हमेशा अपने बैग में कुछ न कुछ तीखा रखती हूं, कभी मिर्ची, कभी टबैस्को या फिर कोई चटनी। शायद ये सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि अपनेपन की एक छोटी सी याद है जो मैं अपने साथ रखती हूं। श्मेरे लिए ट्रैवल सिर्फ एक ब्रेक नहीं, बल्कि एक नई दृष्टि हैश मुझे लगता है कि काम और ट्रैवल मेरे लिए एक–दूसरे से बहुत जुड़े हुए हैं। जब मैं नई जगहों पर जाती हूं, नए लोगों से मिलती हूं और नए कल्चर देखती हूं, तो मेरा दिमाग और विजन दोनों खुल जाते हैं। रोजमर्रा की भागदौड़ से बाहर निकलकर जब मन को शांति मिलती है, तभी असली क्रिएटिविटी आती है। इसलिए मेरे लिए ट्रैवल सिर्फ एक ब्रेक नहीं है बल्कि वो वक्त है जब मैं खुद को और दुनिया को एक नए नजरिए से देख पाती हूं। श्उस रात के तारे अब भी यादों में चमकते हैंश अगर फिनलैंड से मुझे कोई एक एहसास भारत लाना हो, तो वो वहां का आसमान होगा। रात को जब आप ऊपर देखते हैं तो इतने तारे दिखते हैं कि पूरा मिल्की वे साफ–साफ नजर आता है। वो नजारा इतना खूबसूरत था कि लगा जैसे पूरा ब्रह्मांड आपके सामने झुक गया हो। उस रात का सुकून, वो ठंडी हवा, वो चमकते तारे, शायद वही मैं भारत लाना चाहूंगी। वो एहसास जो दिलको भीतर तक शांत कर दे। सई मांजरेकर ने बताया कि फिनलैंड उनके लिए सिर्फ एक ट्रिप नहीं बल्कि आत्मचिंतन का अनुभव था। उन्होंने कहा, उस वक्त मेरी जिंदगी में बहुत कुछ चल रहा था। मैं चाहती थी कि कुछ पल खुद के साथ बिताऊं। फिनलैंड की ठंड, सन्नाटा और सादगी भरी जिंदगी ने मुझे भीतर से शांति दी। वहां के लोग बेहद मददगार और विनम्र थे, और उस ठंडे मौसम में भी उनका अपनापन दिल को गर्माहट दे गया। अभिनेत्री ने यादगार पल साझा करते हुए बताया, "हम एक ग्लास इग्लू में थे। लाइट्स बंद कीं और आसमान में नॉर्दर्न लाइट्स बिखर गईं।

कम से कम पुरुषों को एक बार पीरियड हो..रश्मिका मंदाना का बयान वायरल, बहस छिड़ने के बाद एक्ट्रेस ने दी सफाई

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों कभी अपनी डेटिंग की खबरों तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया, जिस पर यूजर्स के एक के बाद एक रिएक्शन आने लगे। अपने हालिया बयान में रश्मिका ने कहा कि वह चाहती हैं कि पुरुषों को कम से कम एक बार पीरियड हो ताकि वे समझ सकें कि महिलाओं को हर महीने क्या–क्या सहना पड़ता है। इसके बाद नेटिजन्स के एक ग्रुप ने उन्हें पुरुषों के प्रति असंवेदनशील बताया। दरअसल, हाल ही में जगपति बाबू के शो में रश्मिका मंदाना ने कहा, हां, मैं चाहती हूं कि उन्हें (पुरुषों को) कम से कम एक बार पीरियड हो, ताकि वे उस दर्द और तकलीफ को समझ सकें। हार्मोनल इम्बैलेंस के कारण, हम ऐसी फीलिंग्स महसूस करते हैं जिन्हें हम समझ नहीं पाते और आप पुरुषों पर यह प्रेशर नहीं दिखा सकते क्योंकि, चाहे आप उन्हें कितना भी समझाएं, वे उस एहसास को नहीं समझते। इसलिए, अगर पुरुषों को सिर्फ एक बार पीरियड होता है, तो उन्हें यह समझ आएगा कि पीरियड का दर्द कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे इतना भयानक पीरियड पेन होता है कि मैं एक बार इसकी वजह से बेहोश भी हो गई थी। मैंने कई टेस्ट करवाए हैं और डॉक्टरों से सलाह ली है, लेकिन किसी को नहीं पता कि ऐसा क्यों होता है। हर महीने मैं सोचती हूं, हे भगवान, आप मुझे इतना क्यों सता रहे हैं? मुझे लगता है कि कोई भी इसे तभी समझ सकता है जब वह इसे एक्सपीरियंस करे। इसलिए मुझे लगता है कि पुरुषों को कम से कम एक बार पीरियड होना चाहिए। एक्ट्रेस के इस वीडियो को हाल ही में एक फैन पेज ने शेयर किया। ट्वीट में लिखा था, पुरुषों के पीरियड पर रश्मिका का नजरिया रू)) कभी–कभी हम बस यही चाहते हैं कि हमारे दर्द और भावनाओं को समझा जाए। यह कभी भी तुलना या पुरुषों की जिम्मेदारियों को कम करने के बारे में नहीं था...लेकिन हल्के अहंकार ने इसे इस तरह से मोड़ दिया। रश्मिका मंदाना ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, और इस बारे में कोई बात नहीं करेगा... शो और इंटरव्यू में जाने का डर मेरे लिए यही है... मैं कुछ और कहती हूं और इसे पूरी तरह से कुछ और समझ लिया जाता है... काम की बात करें तो रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म, द गर्लफ्रेंड की सफलता एंजॉय कर रही हैं।

डीप–नेक ब्लैक ड्रेस में रकुल ने काटा बवाल, समुंदर किनारे दिए कातिलाना पोज

बॉलीवुड की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ–साथ अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाने वाली रकुल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर आते ही बवाल काट रही हैं। इन तस्वीरों में रकुल अपने हॉट लुक से सबके होश उड़ा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रकुल प्रीत डीप–नेक ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं, जिसके ऊपर उन्होंने कॉन्ट्रास्टिंग कलर का श्रग कैरी किया है। उनका यह लुक सिंपल होते हुए भी बेहद क्लासी दिख रहा है। आउटफिट को

उन्होंने सटल मेकअप, स्टेटमेंट एक्सेसरीज और ओपन हेयर के साथ पेयर किया, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक लग रहा है। इन तस्वीरों में रकुल समुंदर किनारे कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं। सूरज की हल्की रोशनी में उनका ग्लो और भी निखरकर सामने आ रहा है। इन तस्वीरों को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए रकुल ने कैप्शन में लिखा–"आयशा से मिलने के लिए अब बस दो दिन का इंतजार! मैं बहुत एक्साइटेड हूं आप सब से मिलने के लिए।"दरअसल, 'आयशा' उनकी आने वाली फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में उनके किरदार का नाम है। इस पोस्ट से उन्होंने अपने फैंस को फिल्म के लिए और भी उत्साहित कर दिया है। वहीं, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह की यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें उनके साथ अजय देवगन, आर. माधवन, गौतमी कपूर और मिजान जाफरी जैसे कई सितारे नजर आने वाले हैं।

टीवी की ये एक्ट्रेस जो अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं. उन्होंने बताया कि एक्स की वजह से उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को ना बोल दिया और अब उन्हें पछतावा है. ये कोई और नहीं बल्कि पवित्रा पुनिया हैं, जो जल्द ही यूएस बेस्ड बिजनेसमैन संग शादी के बंधन में बंधने वाली हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें लाइफ में सिर्फ एक बात का रिग्रेट है.एक्ट्रेस ने प्यार के चक्कर में अपने हाथ से कई प्रोजेक्ट्स गवाए हैं, जिनका उन्हें काफी मलाल है. पवित्रा ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि जब आप खुद को ना बोलते हो तो अपने हाथों से वो सारी चीजें गंवा देते हो जो आपको एक बेहतर इंसान बना सकती थी. पवित्रा ने कहा कि उनके साथ से एक बहुत बड़े स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का प्रोजेक्ट चला गया, जिसका उन्हें अभी भी मलाल है. मेकर्स की डिमांड थी कि सिर्फ 1 पर्सेंट इंटीमेसी करनी होगी और वो स्क्रीन पर प्यार करना नहीं चाहती थीं. पवित्रा ने कहा कि मैंने वो सैक्रिफाइस किया. मैं उस दौरान रिलेशनशिप में थी और वो बंदा नहीं चाहता था कि स्क्रीन पर कुछ इस तरह का एक्ट करूं. एक्ट्रेस ने कहा कि मैं भूल चुकी थी कि मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अलग है. वो भी इसी फील्ड में हैं उन्हें समझना चाहिए था. मुझे इस तरह से रोकना नहीं चाहिए था. पवित्रा ने कहा कि एक बड़े प्रोडक्शन हाउस और ओटीटी के काम के लिए अब मैं मना नहीं करने वाली. मैंने ये सीख लिया है.मुझे उस दौरान भी नहीं सोचना चाहिए था कि वो क्या सोचेगा. हर कोई जानता है कि ये इंडस्ट्री कैसे काम करता है. मैंने वो चेन ब्रेक की है. अब मैं लाइफ का वो फेज पार कर चुकी हैं. ऐसे में मुझे कोी फर्क नहीं पड़ता.

एनएसडी के लिए छोड़ी साउथ की बड़ी फिल्म

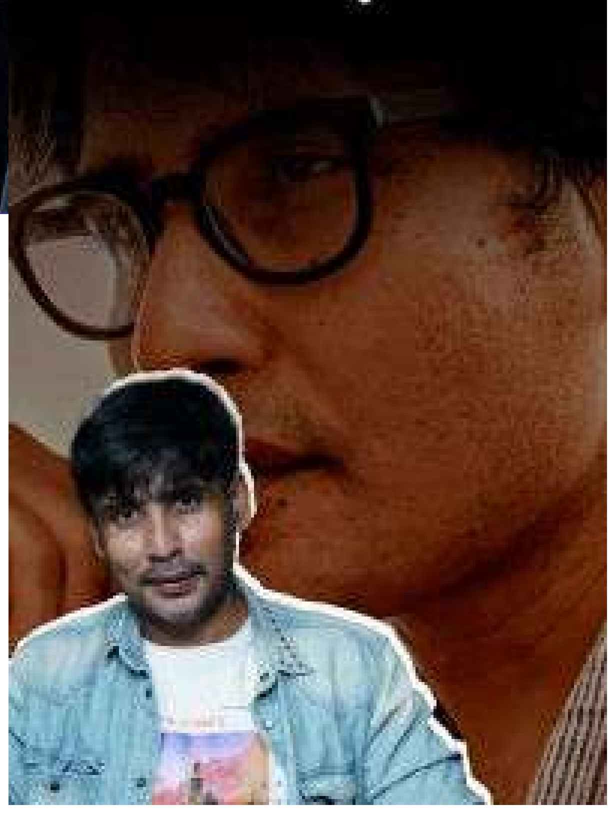

कोलकाता के थिएटर से शुरू हुआ शाहिदुर रहमान का सफर "भाग मिल्खा भाग" से राष्ट्रीय पहचान तक पहुंचा। शेर सिंह राणा के उनके शांत लेकिन प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। मगर सफर यहीं नहीं रुका। कोविड के दौर में जब कई कलाकार ठहर गए, तब शाहिदुर ने ऑस्ट्रियन डायरेक्टर संदीप की फिल्म 'हैप्पी' में एक नए रंग में खुद को साबित किया। पांच महीने जर्मन भाषा सीखकर निभाया गया यह रोल उनके जुनून और समर्पण की मिसाल बना। इस फिल्म दुनिया भर के कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहना मिली। शाहिदुर रहमान ने दैनिक भास्कर से हाल ही में खास बातचीत की। पेश है कुछ प्रमुख अंश.. सवालरू आपका अभिनय सफर कहां से शुरू हुआ? जवाबरू मैंने 1999 में कोलकाता यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया और उसके बाद रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी से थिएटर सीखा। शुरुआती दिनों में बंगाली थिएटर से जुड़ा रहा। सपना था एनएसडी में पढ़ने का, और तीसरे प्रयास में 2006 में दाखिला मिल गया। उस बीच हिमाचल में एक साल कड़ी ट्रेनिंग ली। योग, मेडिटेशन और मूवमेंट क्लासेज से खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार किया।

सर्दियों में गुलाबी निखार पाने के लिए लगाएं टमाटर के ये फेस पैक, निखरी-निखरी होगी त्वचा

सर्दियों में हमें न सिर्फ अपनी सेहत बल्कि त्वचा का भी खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवाएं हमारी त्वचा को ड्राई बनाती हैं और स्किन के ग्लो को कम करती है। जिसके चलते सर्दियों में स्किन का कलर थोड़ी डार्क हो जाती है। हालांकि सर्दियों में स्किन की देखभाल करने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन यह महंगे प्रोडक्ट होने के बाद भी कई बार हमें मनमुताबिक रिजल्ट नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप भी सर्दियों में अपनी स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से सर्दियों में टमाटर का फेस पैक आपकी स्किन के लिए फायदेमंद साबित होगा। टमाटर में लाइकोपिन और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को पोषण देने के साथ ही रंगत साफ करता है। वहीं यह फेस पैक ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने से साथ सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

टमाटर–हल्दी फेस पैक सामग्री

कद्दूकस किया हुआ टमाटर– 2 चम्मच

हल्दी– 1/4 चम्मच

टमाटर और हल्दी का फेसपैक बनाने के लिए 1 मीडियम साइज का टमाटर लें। टमाटर को कद्दूकस कर इसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें। अब इन दोनों को अच्छे से मिक्स कर फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। फिर इस फेसपैक को 20 मिनट तक लगाए रहें और समय पूरा होने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। यह फेसपैक रंगत निखारने के साथ ही पिंपल्स की समस्या हो भी कम करने में मददगार है। साथ ही इससे आपकी स्किन भी हाइड्रेट रहती है।

टमाटर और शहद के फेसपैक की सामग्री

टमाटर का रस– 3 चम्मच

शहद– 1 चम्मच

इस फेसपैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक टमाटर का रस निकाल लें। फिर टमाटर के रस में शहद को मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें। टाइम पूरा होने के बाद फेस को पानी से धो लें। इस फेसपैक से आपकी त्वचा को पोषण मिलता है और स्किन चमकदार बनती है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

टमाटर और दही के फेस पैक की सामग्री

टमाटर का रस– 3 चम्मच

दही– 1 चम्मच

इस फेसपैक को बनाने के लिए 3 चम्मच टमाटर के रस में दही मिला लें। अब इन दोनों चीजों को अच्छे से फेंट लें। अब इस फेसपैक को 15 मिनट के लिए चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें। फिर नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें। टमाटर और दही से बना यह फेसपैक आपकी त्वचा को पोषण देने के साथ ड्राई स्किन की समस्या को दूर करता है। साथ ही यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाता है। हालांकि इन फेसपैक को चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

श्रीकृष्ण के बेटे को मिले श्राप की वजह से समुद्र में डूब गई थी द्वारका

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकष्ण ने मामा कंस वध करने के बाद सभी यदुवंशियों के साथ द्वारिका नगर बसाई थी। लेकिन अब नगरी हमारी बीच नहीं है, वो अचानक से कैसे गायब हो गई। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के 36 साल के बाद पूरी द्वारिका नगरी समुद्र में डूब गई थी और उसी के साथ यदुवंश और श्रीकृष्ण ने अपने प्राण त्याग दिए थे। द्वारिका नगरी के अंत को लेकर ये कथा बहुत प्रचलित है...

ऋषियों ने दिया था श्रीकृष्ण के बेटे को शाप

कथा के अनुसार श्री कृष्ण के पुत्र सांब को मिले श्राप से द्वारिका नगरी का अंत हुआ। दरअसल ऋषि वाल्मिकी, नारद मुनि और दूसरे ऋषि जब द्वारक का भ्रमण करने आए तो श्रीकृष्ण के पुत्र सांब ने उनका उपहास करने के लिए गर्भवती स्त्री का रुप धारण कर लिया था। जब ऋषियों को इस बात का पता चला तो उन्होंने सांब को श्राप दिया कि उसकी कोख से मूसल पैदा होगा, जिसके चलते पूरे यदुवंश का नाश हो जाएगा।

श्रीकृष्ण ने किया ऋषियों का सम्मान

इस घटना का पता श्रीकृष्ण को चला तो उन्होंने कहा यह ऋषियों की वाणी है। व्यर्थ नहीं जाएगी और अगले ही दिन सांब ने एक मूसल उत्पन्न किया। इस मूसल को राजा उग्रसेन ने समुद्र में फिकवा दिया। साथ ही श्रीकृष्ण ने नगर में घोषणा करा दी कि अब कोई भी नगरवासी अपने घर में मदिरा नहीं बनाएगा। क्योंकि कृष्ण नहीं चाहते थे कि उनके कुल के लोग और संबंधी मदिरा के नशे में कोई अनुचित व्यवहार कर परिवार सहित एक–दूसरे का नाश कर बैठें। क्योंकि ऋषियों की वाणी तो सच होनी ही थी।

कान्हा ने भेज दिया तीर्थ पर

कहते हैं कि महाभारत युद्ध के 36वें वर्ष में द्वारका नगरी में बहुत अपशकुन होने लगे थे। कान्हा ने सभी यदुवंशी पुरुषों को तीर्थ पर जाने के लिए कहा। इस पर सभी लोग द्वारका नगरी से तीर्थ के लिए निकल गए। प्रभास क्षेत्र में आने पर विश्राम के दौरान किसी बात पर ये लोग आपस में भिड़ गए। यह बहसबाजी, झगड़े में बदली और झगड़ा मारकाट में बदल गया। इस दौरान ऋषियों का शाप इस रूप में फलिभूत हुआ कि सांब ने जिस मूसल को उत्पन्न किया था, उसके प्रभाव से प्रभास क्षेत्र में खड़ी एरका घास को लड़ाई के दौरान जो भी उखाड़ता, वो एरका घास मूसल में परिवर्तित हो जाती। ऐसा मूसल, जिसका एक प्रहार ही व्यक्ति के प्राण लेने के लिए पर्याप्त था। इस लड़ाई में श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न भी मारे गए।

सूचना पर पहुंचे श्रीकृष्ण

सूचना मिलते ही कान्हा प्रभास क्षेत्र पहुंचे। अपने पुत्र और प्रियजनों को मृत देखकर श्रीकृष्ण ने क्रोध में वहां खड़ी एरका घास उखाड़ ली और हाथ में आते ही उस घास ने मूसल का रूप ले लिया। लड़ाई में जो लोग बचे रह गए थे, जिन्होंने अपने परिजनों को मारा था, श्रीकृष्ण ने एक–एक वार से उन सभी का वध कर दिया। अंत में सिर्फ श्रीकृष्ण, उनके सारथी दारुक और बलराम बचे। इस पर श्रीकृष्ण ने दारुक से कहा कि हस्तिनापुर जाकर अर्जुन को यहां ले आओ। फिर बलराम को वहीं रुकने को कहा और स्वयं अपने पिता को इस संहार के बारे में सूचित करने द्वारका चले गए। कान्हा ने वासुदेवजी को इस नरसंहार के बारे में बताया और कहा कि जल्द यहां अर्जुन आएंगे। आप नगर की स्त्रियों और बच्चों को लेकर अर्जुन के साथ हस्तिनापुर चले जाइएगा।

बलराम ने त्याग दी देह

जब श्रीकृष्ण वापस प्रभास क्षेत्र पहुंचे तब बलरामजी ध्यानावस्था में बैठे थे। कान्हा के पहुंचते ही उनके शरीर से शेषनाग निकले और समुद्र में चले गए। अब श्रीकृष्ण इधर–उधर घूमते हुए अपने जीवन और गांधारी के शाप के बारे में विचार करने लगे और फिर एक पेड़ की छांव में बैठ गए। इसी समय जरा नामक एक शिकारी का वाण उनके पैर में आकर लगा, जिसने दूर से उनके पैर के अंगूठे को हिरण का मुख समझकर वाण चला दिया था। जब वह शिकारी शिकार उठाने पहुंचा तो श्रीकृष्ण के देखकर क्षमा मांगने लगा। कान्हा ने उसे अभय दान देकर देह त्याग दी।

समुद्र में डूब गई द्वारका

अर्जुन ने द्वारका पहुंचकर वासुदेव जी से कहा कि वह नगर में शेष बचे सभी लोगों को हस्तिनापुर चलने की तैयारी का आदेश दें। फिर अर्जुन ने प्रभास क्षेत्र जाकर सभी यदुवंशियों का अंतिम संस्कार किया। अगले दिन वासुदेवजी ने प्राण त्याग दिए। उस पर उनका अंतिम संस्कार कर अर्जुन सभी महिलाओं और बच्चों को लेकर द्वारका से निकल गए। जैसे ही उन लोगों ने नगर छोड़ा द्वारका का राजमहल और नगरी समुद्र में समा गई। उसी नगरी के पिलर और अवशेषों के बारे में समुद्र से जुड़ी अलग–अलग रिसर्च के दौरान जानकारी मिलती रहती है।

एक दिन में कितनी मात्रा में काजू खाना फायदेमंद? जानिए सही मात्रा

ड्राई फ्रूट्स में ज्यादातर लोग काजू खाना पसंद करते हैं। स्वाद में जबरदस्त होने के साथ–साथ यह सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी माना जाता है। कुछ लोग तो काजू खाने के इतने शौकीन होते हैं कि दिन में 10–15 या फिर इससे ज्यादा काजू भी खा जाते हैं, हालांकि इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना सेहत के लिए लाभकारी माना जाता है। काजू का सेवन कितनी मात्रा में करना चाहिए और इसे डाइट में शामिल करने से शरीर को क्या–क्या फायदे होते हैं आज आपको इसके बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं....

काजू में पाए जाने वाले पोषक तत्व

काजू में कई सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जैसे कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन–ए, विटामिन–सी, विटामिन–ई, विटामिन–के, विटामिन–बी6, नियासिन, राइबोफ्लेविन, कॉपर, फॉस्फोरस, हेल्दी फैट्स, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम आदि। यह सारे न्यूट्रिएंट्स सेहत के लिए बेहद जरुरी होते हैं और शरीर को कई तरह के रोगों से दूर रखते हैं।

एक दिन में कितनी मात्रा में काजू खाना जरुरी

एक्सपर्ट्स की मानें तो यदि आप नहीं चाहते कि आपका वजन बढ़े और आप इसके पोषण संबंधी लाभों का फायदा ले सकें तो रोजाना थोड़ी मात्रा में ही काजू का सेवन करें। रोजाना आप 5–10 काजू का सेवन कर सकते हैं। यदि आप हेल्दी फैट और प्रोटीन के सोर्स की तरह इसका सेवन करते हैं तो आप 15–30 काजू का सेवन एक दिन में कर सकते हैं। हालांकि बेहतर होगा कि आप किसी एक्सपर्ट या डाइटिशियन की सलाह पर ही काजू खाएं।

दिल रहेगा स्वस्थ

शोध की मानें तो काजू में हेल्दी फैट मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड मौजूद होते हैं। हाई शुगर और कम फाइबर वाले स्टार्च खाद्य पदार्थों के स्थान पर आप काजू का सेवन कर सकते हैं। यह शरीर में खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। यह कोलेस्ट्रॉल ह्दय रोग का कारण बन सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर सॉल्टेड काजू का सेवन न करें।

पाचन रहेगा स्वस्थ

न्यूट्रीएंट जर्नल के अनुसार, नियमित रुप से काजू का सेवन करने से फाइबर, पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीइंफ्लेमेटरी प्लांट कंपाउंड मिलते हैं जो आंत के स्वास्थ्य को मजबूत रखने में मदद करते हैं। यह स्वस्थ माइक्रोबायोम बनाता है। काजू में गैलोक्टो, ऑलिगोसेकेरॉइड्क कार्बोहाइड्रेट भी पाए जाते हैं जो एक प्रीबॉयोटीक के रुप में कार्य करते हैं। यह गुड पैथोजेन को पोषण देते हैं जो इम्यूनिटी में सुधार करके सूजन कम करने में मदद करता है।

मेंटल हेल्थ बनेगी मजबूत

शोध की मानें तो काजू में ओमेगा–3 फैटी एसिड पाए जाते हैं जो फैटी एसिड हेल्दी ब्रेन की संरचना और फंक्शन से पॉजिटिविटी रुप से जुड़ा हुआ है। यह मस्तिष्क के ब्लड फ्लो को बढ़ाने में भी मदद करता है। यह ब्रेन फ्लूइड की डेंसिटी बढ़ाता है इसके अलवा यह अमीनो एसिड ट्रिप्टोफैन का स्त्रोत भी है जो न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के स्तर को बनाने और बढ़ाने के लिए जरुरी है। यह मूड को स्थिर करने खुशी की भावनाओं को बढ़ाने और नींद अच्छी लाने में मदद करता है।

लंबे समय तक भरा रहेगा पेट

काजू में पाए जाने वाले पोषक तत्व पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखने में मदद करते हैं। काजू के हाई प्रोटीन, हेल्दी फैट या कार्ब्स होते हैं जो ब्लड शुगर लेवल को स्थिर करने के साथ–साथ वजन प्रबंधन में भी मदद कर सकते हैं।

पुराने स्वेटर को बाहर फेंकने की जगह ऐसे करें इस्तेमाल

जब मौसम बदलता है तो ऐसे में हम उसी के अनुसार कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं। ठंड के दिनों में स्वेटर तो हम सभी पहनते हैं। लेकिन हर साल कुछ पुराने स्वेटर को हम बाहर कर देते हैं। ये स्वेटर या तो हमें फिट नहीं आते हैं या फिर उन्हें पहनने का हमारा मन ही नहीं करता है। हो सकता है कि इस साल भी आपने कुछ ऐसे ही स्वेटर निकाले हों। लेकिन उन्हें बाहर करने की जगह आप कई अन्य तरीकों से इस्तेमाल में ला सकते हैं। जानिए इस लेख में–

बनाएं स्टाइलिश टोट बैग

अगर आपका स्वेटर पुराना हो गया है तो आप उसकी मदद से एक स्टाइलिश टोट बैग बना सकते हैं। इसके लिए आपको अपने स्वेटर को टोट बैग के साइज में काट लें और

फिर स्टिच कर लें। बैग के हैंडल के लिए आप स्वेटर के स्लीव्स का इस्तेमाल करें। अगर आप इस टोट बैग को और भी स्टाइलिश बनाना चाहते हैं तो इसमें पैच वर्क या बटन आदि का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बनाएं वास कवर

आप पुराने स्वेटर की मदद से एक वास कवर भी बना सकते हैं। इससे आपके घर में रखा वास और भी अधिक खूबसूरत नजर आता है। बस आप वास के चारों ओर स्वेटर से कवर करें। फिर आप सुतली या रिबन से सिक्योर करें। आप इसमें खूबसूरत फूल लगाएं और अपने कमरे की खूबसूरती में चार–चांद लगाएं।

बनाएं हेडबैंड

अगर आपके पास पुराने स्वेटर हैं तो आप उनकी मदद से कई अलग–अलग खूबसूरत हेडबैंड बना सकते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप स्वेटर से स्ट्रिप्स काटें। फिर आप इससे हेडबैंड तैयार करें। इसे और भी स्टाइलिश बनाने के लिए आप बटन या बो आदि का इस्तेमाल करें।

बनाएं लेग वार्मर

सर्दी के दिनों में पैरों को ठंड से बचाने के लिए हम लेग वार्मर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आपके पास पुराने स्वेटर है तो आप उनकी स्लीव्स को काटकर उससे ही लेग वार्मर बना सकते हैं और उसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

तैयार करें तकिए के कवर

पुराना स्वेटर आपके बेड पर रखे तकिए को भी पूरी तरह से बदल सकता है। इसके लिए आप स्वेटर को तकिए के साइज के अनुसार पैटर्न में काटें और फिर उन्हें सिल दें। इस तरह आप कई तरह के मिक्स एंड मैच तकिए के कवर बनाकर तैयार कर सकते हैं।

संक्षिप्त

नगालैंड के कश्वरपोरेट निवेश में बेहद सकारात्मक बदलाव : सीतारमण

केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि नगालैंड के कॉरपोरेट निवेश में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। दीमापुर स्थित नागालैंड टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर में एआई और भविष्य के कौशल उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद सीतारमण ने कहा कि इस नए युग का उदाहरण दो प्रमुख कार्यक्रमों से देखा जा सकता है। इनमें कोहिमा में टाटा समूह के साथ सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने का सहयोग और दीमापुर में साइएंट फाउंडेशन के साथ उन्नत एआई संचालित विनिर्माण और 3डी प्रिंटिंग तकनीकों को पेश करने की साझेदारी शामिल है। उन्होंने कहा ये कार्यक्रम नगालैंड के युवाओं को आधुनिक नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने, उन्हें सफल होने और देश की प्रौद्योगिकी विकास में योगदान देने के लिए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नगालैंड का दौरा देश के 112 आकांक्षी जिलों की प्रगति का आकलन करने और प्रमुख सरकारी पहलों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए था। उन्होंने कहा कि इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रमुख बैंकों के सहयोग से आयोजित ऋण वितरण कार्यक्रम भी था, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और आसानी से ऋण उपलब्ध कराना है। सीतारमण ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य इन कार्यक्रमों का लोगों के जीवन पर प्रभाव को सीधे देखना, मौजूदा चुनौतियों को पहचानना और देश के प्रत्येक हिस्से के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

एसईजेड में उत्पादन बढ़ाने के लिए राहत उपायों पर विचार : गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ राहत उपायों को लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय भारत के घरेलू बाजार में उपयोग के लिए इन क्षेत्रों में अतिरिक्त क्षमता को बढ़ावा देने के तरीकों और साधनों पर विचार कर रहा है। वाणिज्य मंत्री ने यहां आंध्र प्रदेश एसईजेड में ब्रांडिक्स टेक्सटाइल इकाइयों का दौरा करते हुए कहा कि यह एक तरह से आयात प्रतिस्थापन

भी होगा, क्योंकि आयातित सामानों के मुकाबले एसईजेड से घरेलू आपूर्ति बेहतर है। उन्होंने कहा, हम इस अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं और पूरी उम्मीद है कि जल्द ही सभी विशेष आर्थिक क्षेत्रों से उत्पादन में भारी वृद्धि होगी। गोयल सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन 2025 में भाग लेने के लिए यहां आए थे। उन्होंने कहा कि देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) आयुक्तों को अगले सप्ताह यहां एक बैठक आयोजित करने के लिए कहा गया है। यह पूछने पर कि क्या वाणिज्य मंत्रालय इन क्षेत्रों को राहत देने के लिए संसद में एक विधेयक लाएगा, उन्होंने कहा, हम सभी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं, क्या इसके लिए कानून में संशोधन की आवश्यकता है या कुछ नियमों के जरिये ऐसा किया जा सकता है।

भारत–वेनेजुएला महत्वपूर्ण खनिजों के लिए करेंगे सहयोग, आंध्र में लॉजिस्टिक्स डिजिटलीकरण के लिए समझौता

नई दिल्ली। वेनेजुएला ने भारत के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए इच्छा जताई है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वेनेजुएला के पारिस्थितिकी खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा के बीच हुई बैठक में इस पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वेनेजुएला पक्ष ने भारत के साथ तेल क्षेत्र से परे आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की। इसमें महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और भारतीय निवेश आकर्षित करना शामिल है। गोयल ने भारत–वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को दोबारा सक्रिय करने की जरूरत पर बल दिया, जिसकी अंतिम बैठक एक दशक पहले हुई थी। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में ओएनजीसी के चल रहे परिचालन से खनन और अन्वेषण में गहन सहयोग की संभावना है। उन्होंने सुझाव दिया कि वेनेजुएला दवा व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय फार्माकोपिया को स्वीकार करने पर विचार कर सकता है और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला। एक अलग बयान में, मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड, लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (न्स्प्च) का उपयोग करके राज्य के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को पूरी तरह डिजिटल रूप देना है। एमओयू के तहत आंध्र प्रदेश में एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा, जो सरकारी और निजी क्षेत्र के सभी हितधारकों को लॉजिस्टिक्स की गतिविधियों और प्रदर्शन सूचकांकों की रियल–टाइम जानकारी उपलब्ध कराएगा। इस पहल से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय मजबूत होगा, लॉजिस्टिक्स सेक्टर की दक्षता बढ़ेगी और निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज व डेटा–आधारित बनेगी। प्लेटफॉर्म के जरिए हितधारक बिना किसी बाधा के रियल–टाइम डेटा तक सहज पहुंच पा सकेंगे।

दूसरे दिन गिरे कुल 15 विकेट, जडेजा की अगुआई में स्पिनरों ने बिखेरा जलवा, भारत की कराई मैच में वापसी

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। रवींद्र जडेजा की अगुआई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से भारत इस मुकाबले में वापसी करने में सफल रहा है। भारत की पहली पारी 189 रन पर समाप्त हुई थी और उसने 30 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दक्षिण अफ्रीका ने दिन के खेल की समाप्ति तक दूसरी पारी में सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और उसकी बढ़त 63 रन की हो गई है। स्टंप्स के समय तेम्बा बावुमा 29 और कॉबिन बॉश एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

गेंदबाजों का दिखा है दम

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेले जा रहे इस मैच में गेंदबाजों का दम देखने मिला है। पहले दिन जहां कुल 11 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन 15 विकेट गिरे। शनिवार को तो स्पिनरों का दम देखने मिला। भारत के लिए दूसरी पारी में अब तक सभी सात विकेट स्पिनरों को मिले हैं। भारत को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज स्पिनरों के सामने संघर्ष करते नजर आए। जडेजा की अगुआई में भारतीय स्पिनरों ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को परेशान किया। जडेजा ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि कुलदीप यादव को दो और अक्षर पटेल को एक सफलता मिली है। भारत के पास यह मैच जीतने का यह सुनहरा अवसर है। भारतीय टीम कोशिश होगी कि तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की पारी जल्द से जल्द समाप्त करे।

जडेजा ने लड़खड़ाई दक्षिण अफ्रीका की पारी

कुलदीप ने सबसे पहले रेयान रिक्लेटन को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जडेजा ने एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, टॉनी डि जॉर्जी और ट्रिस्टन स्टब्स को आउट कर मेहमान टीम को एक के बाद एक चार झटके दिए। जडेजा ने दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी एक दम से लड़खड़ा दी। इसके बाद काइल वेरने को अक्षर पटेल ने बोल्ड किया, जबकि दिन के खेल की

समाप्ति से ठीक पहले कुलदीप ने मार्को यानसेन को अपना शिकार बनाया। भारत के सामने अब बावुमा दीवार बन सकते हैं और भारतीय गेंदबाजों की कोशिश तीसरे दिन उन्हें जल्द आउट करने पर टिकी होंगी।

हार्मर ने भारत को बड़ी बढ़त लेने से रोका

इससे पहले, दूसरे दिन केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने भारत की पहली पारी आगे बढ़ाई। और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। वाशिंगटन के आउट होने के साथ ही इस साझेदारी का अंत हुआ। वाशिंगटन 82 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हुए। वाशिंगटन के आउट होने के बाद गिल क्रीज पर उतरे थे। उन्होंने मैदान पर आते ही चौके के साथ खाता खोला, लेकिन उनके गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बाद फिजियो मैदान पर आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। भारतीय टीम को केएल राहुल के रूप में तीसरा झटका लगा है। केएल राहुल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन केशव महाराज के रूप में स्लिप में कैच थमा बैठे। राहुल 119 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। भारत को ऋषभ पंत के रूप में चौथा झटका लगा जो 24 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हो गए हैं। हार्मर ने भारतीय बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया। भारत ने किसी तरह बढ़त हासिल की, लेकिन हार्मर ने यह सुनिश्चित किया कि भारत बढ़त को मजबूत नहीं बना सके। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने 27, अक्षर पटेल ने 14, ध्रुव जुरेल ने 14, यशस्वी जायसवाल ने 12, कुलदीप यादव ने 1, मोहम्मद सिराज ने 1 और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 1 रन बनाए। वहीं, गिल चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट झटके, जबकि मार्को यानसेन को तीन सफलता मिली। केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश ने एक–एक विकेट लिया।

कप्तान गिल की चोट ने बढ़ाई चिंता

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की चोट ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। गिल ने पहली पारी में तीन गेंदों का सामना किया, लेकिन चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर लौटना पड़ा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गिल की चोट पर जानकारी दी। बीसीसीआई ने बताया कि गिल को गर्दन में मोच आई है और बोर्ड की मेडिकल टीम उनकी जांच कर रही है। उनके खेलने पर फैसला उनकी प्रगति को देखते हुए लिया जाएगा। गिल दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। अब यह देखना होगा कि तीसरे दिन गिल मैदान पर उतरते हैं या नहीं।

अपने जीवन की पहली कमाई पाकर भावुक हो गई थीं हरमनप्रीत

पिता को सौंपा था चेक, सुनाई दास्तां

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की कप्तान और हाल ही में विश्व कप जीतने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए भावुक होकर कहा कि उस समय उन्हें लगा था जैसे वह दुनिया की सबसे अमीर इंसान हैं। पीटीआई मुख्यालय में अपनी क्रिकेट यात्रा पर बातचीत करते हुए हरमनप्रीत की आंखें उस पल को याद कर नम हो गईं।

हरमनप्रीत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत के दौर में खिलाड़ियों को एक टूर के लिए एक लाख रुपये फीस मिलती थी और टीडीएस कटने के बाद यह राशि करीब 90,000 रुपये रह जाती थी। उन्होंने कहा, श्यह मेरी पहली कमाई थी, इसलिए मुझे लगा जैसे मैं दुनिया की सबसे अमीर इंसान हूं।श उन्होंने बताया कि 2009 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू और 2014 में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम में जगह बनाना उनके करियर के अहम पड़ाव रहे। इंग्लैंड के खिलाफ आठ नए खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम द्वारा छह विकेट से हासिल जीत को वह आज भी यादगार मानती हैं।

पिता को सौंपी पहली कमाई

पंजाब के मोगा की इस धाकड़ बल्लेबाज ने कहा कि अपनी पहली कमाई का चेक उन्होंने अपने पिता हरमंदर सिंह भुल्लर को सौंप दिया था, जो स्थानीय अदालत में क्लर्क और खेल प्रेमी रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा, श्मेरे पिता ही हमेशा मुझमें निवेश करते रहे थे। पहली बार मुझे लगा कि मैं उन्हें कुछ वापस दे पा रही हूं। चाहे रकम बड़ी हो या छोटी, वह उससे कहीं ज्यादा

उसके हकदार थे। हरमनप्रीत ने यह भी बताया कि उनके पिता ने हमेशा उन्हें क्रिकेट के लिए प्रेरित किया और उनके लिए 'अच्छी बल्लेबाजी' लिखी एक शर्ट भी खरीदी थी, जो उस समय उनके लिए थोड़ी बड़ी थी, लेकिन उत्साह का स्रोत बनी रही। विश्व कप जीतने वाले कप्तान के रूप में हरमनप्रीत का मानना है कि उनकी यात्रा कई उतार–चढ़ावों के बावजूद सीख और प्रेरणा से भरी रही है, जिसमें उनकी पहली कमाई का पल आज भी दिल में खास जगह रखता है।

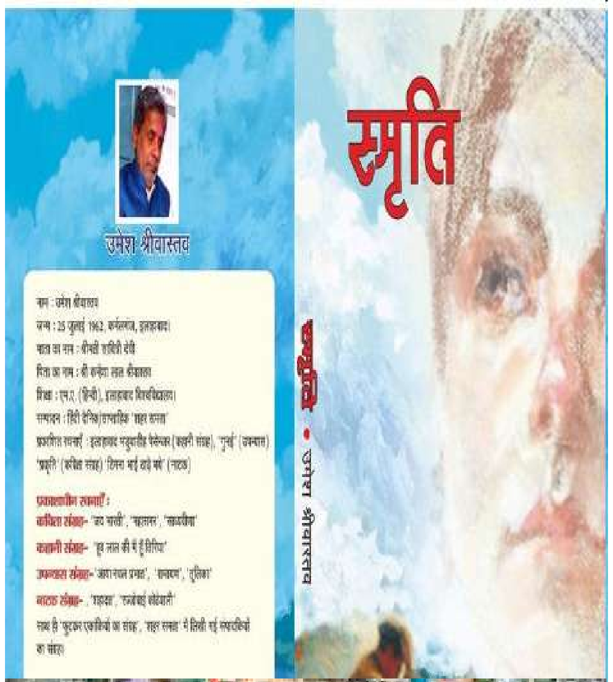

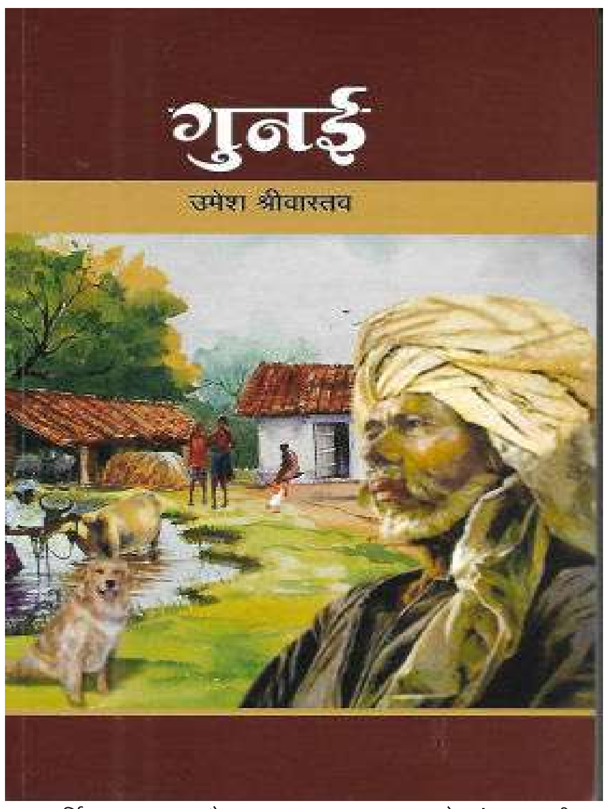

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

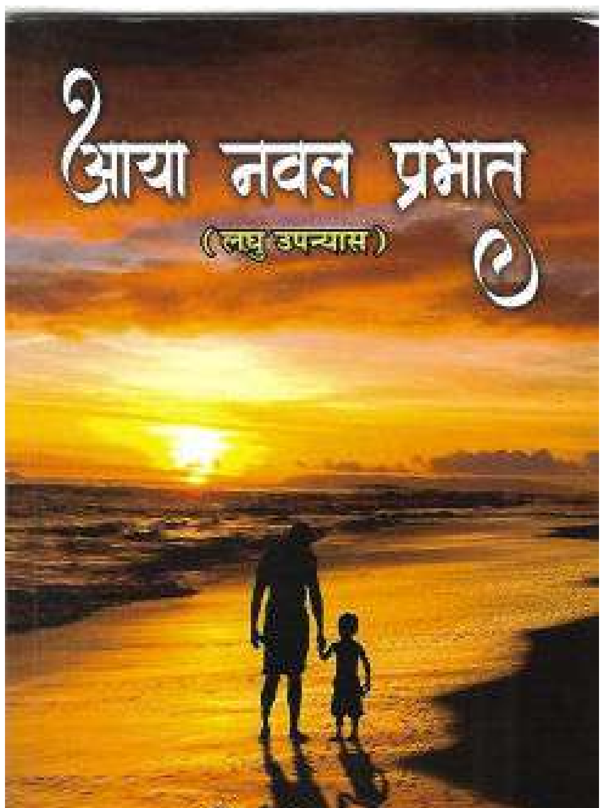

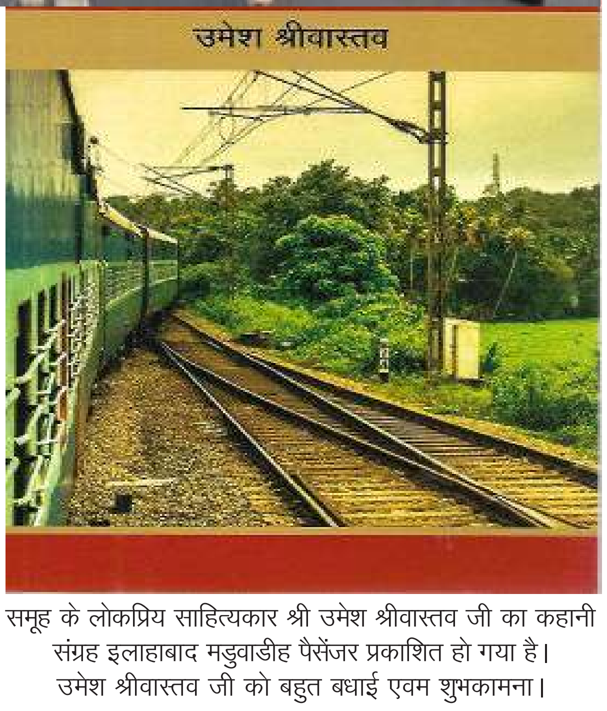

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

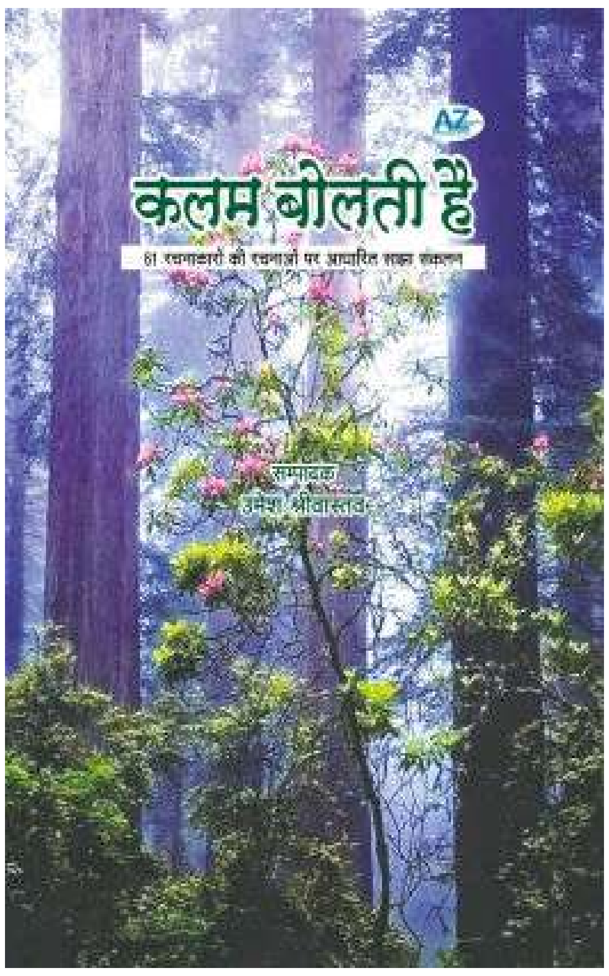

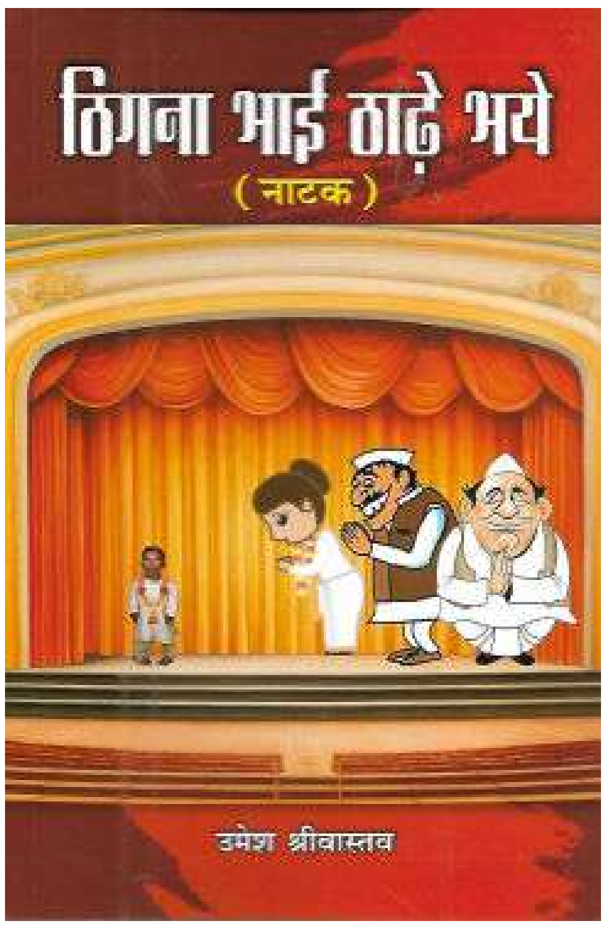

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

मैं कंबोडिया, थाईलैंड के बीच संघर्षविराम को बरकरार रखने में सफल रहा: ट्रंप का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार–ए–लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है।'' उन्होंने कहा कि उनके

ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बड़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं।'' इन दोनों दक्षिण–पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली। हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

सीरिया की राजधानी में रॉकेट हमला, एक महिला घायल

सीरिया की राजधानी दमिश्क में शुक्रवार रात को एक मकान को निशाना बनाकर रॉकेट दागे गए जिसमें एक महिला घायल हो गयी और काफी क्षति हुई। सरकारी मीडिया ने इस बारे में खबर दी। दमिश्क के पश्चिमी इलाके माजेह 86 में हुए रॉकेट हमले के पीछे कौन था, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है।

घटनास्थल पर मौजूद 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के एक पत्रकार ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और किसी को भी उस इमारत के पास जाने की अनुमति नहीं है। सरकारी टेलीविजन ने बताया कि ''अज्ञात हमलावरों'' द्वारा किए गए हमले में एक महिला घायल हो गई है। मामले में सुरक्षा बल जांच कर रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने भी खबर दी कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में एक महिला घायल हो गई है और यह विस्फोट एक मोबाइल लॉन्चर से दागे गए रॉकेटों के कारण हुआ। सीरिया की राजधानी में विस्फोट की घटनाएं असामान्य नहीं हैं, लेकिन हाल के महीनों में इनमें कमी आई है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान की तानाशाही! आए दिन गायब हो रहे लोग, परिवारों में खौफ का माहौल

बलूचिस्तान के कई ज़िलों से एक बार फिर संदिग्ध जबरन गुमशुदगी की खबरें सामने आई हैं, जिसके चलते परिवारों ने प्रदर्शन किए हैं और अधिकारियों से अपने लापता रिश्तेदारों की वापसी की अपील की है, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों ने कथित तौर पर केच ज़िले की बुलेदा तहसील के मेनाज़ इलाके में एक घर पर देर रात छापा मारा और दो भाइयों को हिरासत

में लिया, जिन्हें तब से नहीं देखा गया है। इन लोगों की पहचान रहीम जान के बेटे ज़हीर और रहीम जान के बेटे वसीम के रूप में हुई है। रिश्तेदारों ने बताया कि दोनों भाई–बहन किसान थे और उनका कोई राजनीतिक संबंध नहीं था और उन्होंने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। एक अलग घटनाक्रम में, ब्राहुई भाषा के कवि अता अंजुम को पाकिस्तानी सेना ने मस्तुंग स्थित उनके घर से अगवा कर लिया, जिसके बाद से उनका ठिकाना अनिश्चित बना हुआ है। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्संस (वीबीएमपी) ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया और सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की। तुर्बत में एक और मामला दर्ज किया गया, जहां तुर्बत सेंट्रल जेल का वार्डर चंगेज इमाम तीन दिनों से लापता है। उसके परिवार ने बताया कि वह 11 नवंबर को दोपहर करीब 1 बजे तुर्बत के बाग स्थित अपने घर से ड्यूटी पर जाने के लिए निकला था, लेकिन कभी नहीं पहुँचा। उसकी मोटरसाइकिल का भी पता नहीं चल पाया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

गाजा में फिर हमास के लड़ाकों का कब्जा, इजरायली फौज के लौटते ही पलटी बाजी, ट्रंप की फिस्ड्डी निकली शांति संधि!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा शांति योजना के बाद मानो ऐसा लग रहा था कि इस गाजा में शांति स्थापित की जा सकती है लेकिन एक बार फिर से गाजा पर हमास ने कब्जा कर लिया है और अब वह अपने उग्र रूप में आ गया है। गाजा में इजराइल के समर्थकों को खोज–खोज कर मारा जा रहा है। क्या यह एक और बड़ा उदाहरण है डोनाल्ड ट्रंप की खोखली संधि यों का? बड़े– बड़े दावे करके इजराइल को समझाया लेकिन वह हमास के काले मन को नहीं बदल सके। और एक बार फिर गाजा में खून की होली खेली जा सकती है। ताजा जानकारी के मुताबिक हमास के लड़ाके अब गाज़ा में गश्त कर रहे हैं और इज़राइल समर्थक समझे जाने वाले लोगों पर कार्रवाई कर

रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हमास ने हाल के दिनों में कई नए निर्णय लागू किए हैं, जैसे चिकन की कीमतों पर नियंत्रण और सिगरेट पर कर लगाना। इन कदमों ने यह आशंका बढ़ा दी है कि कहीं हमास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गाज़ा शांति योजना से पीछे न हट जाए।

गाज़ा से हमास को हटाने की तैयारियाँ

पिछले महीने गाज़ा में युद्धविराम लागू हुआ, लेकिन इसके बाद हमास ने उन इलाकों में तेज़ी से कब्ज़ा फिर से जमा लिया, जहाँ से इज़राइल की सेना हट चुकी थी। इस दौरान हमास ने इज़राइल से सहयोग करने के आरोप में कई फ़िलिस्तीनियों को मार दिया। इज़राइल, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश हमास से हथियार डालने और शासन छोड़ने की माँग कर रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि हमास के हटने के बाद गाज़ा की सत्ता किसके हाथों में जाएगी।

गाज़ा में हमास का गहन नियंत्रण

गाज़ा के लोग अब अन्य तरीकों से भी हमास के प्रभाव को महसूस कर रहे हैं। बताया गया है कि हमास अधिकारी अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आने–जाने वाली हर चीज़ पर नज़र रख रहे हैं। कुछ निजी तौर पर आयातित वस्तुओं, जैसे ईंधन और सिगरेट पर कर लगाए जा रहे हैं और अधिक दाम वसूलने वाले व्यापारियों पर जुर्माने भी लगाए जा रहे हैं। इस्माइल अल–थवाब, जो हमास सरकार के मीडिया कार्यालय के प्रमुख हैं, ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि सरकार किसी तरह का नया कर नहीं बढ़ा रही।

ट्रम्प की गाज़ा शांति योजना पर खतरा

गाज़ा पर हमास की फिर से पकड़ मज़बूत होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गाज़ा शांति योजना अधर में लटक सकती है। इस योजना में हमास को सत्ता से हटाने और उसके निरस्त्रीकरण का प्रावधान था, जबकि मौजूदा हालात इसके विपरीत दिशा में जाते दिख रहे हैं। इज़राइल ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर हमास ने गाज़ा में दोबारा शक्ति बढ़ाकर हमला करने की कोशिश की, तो सैन्य अभियान फिर शुरू किया जा सकता है। ऐसे में ट्रम्प का शांति समझौता विफल हो सकता है और एक नया इज़राइल-हमास संघर्ष भड़क सकता है।

असीम मुनीर ने पाकिस्तान में एक और सुप्रीम कोर्ट बना दी! इमरान को अब ताउम्र जेल में ही रहना होगा ?

पाकिस्तान के 27वें संविधान संशोधन विधेयक की व्याख्या: पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने 27वें संविधान संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जिससे यह पाकिस्तान के संविधान का हिस्सा बन गया। यह विवादास्पद विधेयक फील्ड मार्शल असीम मुनीर की शक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि करता है और उनके ऊपर एक और न्यायालय स्थापित करके सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों को कम करता है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने अब न्यायपालिका शिकंजा कस लिया मुनीर ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से 27वां संविधान संशोधन विधेयक पास करवा कर सुप्रीम कोर्ट के समानांतर संघीय संवैधानिक कोर्ट (एफसीसी) का गठन कर दिया। विधेयक पास होने के 24 घंटे के भीतर ही मुनीर ने दोबारा एफसीसी के चीफ जस्टिस के रूप में अमीनुद्दीन खान को शपथ दिलवा दी। पाक के इतिहास में पहली बार सीजे के शपथ क्षण समारोह में बतौर आर्मी चीफ मुनीर ने शिरकत की।

कोर्ट को सेना के जूतों तले कुचला

पूर्व सीजे एसी के गठन और सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों में कमी का विरोध भी शुरू हो गया है। पूर्व सीजे उमर अत्ता नदिमाल सहित सुप्रीम कोर्ट के 7 अन्य पूर्व जजों ने इस्लामाबाद में बैठक की। इसमें सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के वकील भी शामिल हुए। बदिपाल का कहना है कि पाक में नायपालिका की सेना के जूतों तले कुचला जा रहा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के 2 जज गुरुवार को इस्तीफा दे दिया।

पूर्व पीएम इमरान से जुड़े मामलों में मुनीर का कंट्रोल होगा

एफसीसी के अधिकार सभी संवैधानिक मामलों की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट नहीं एफसीसी में होगी। सुप्रीम कोर्ट किसी भी केस में में स्वप्रेरणा संज्ञान नहीं ले सकेगा। वे भी एफसीसी कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट के पास क्या लोअर और हाई कोर्ट से आने वाले दीवानी आप्यधिक मामलों की सुनवाई ही कर सकेगी। मुनीर को फायदा कैसे आर्मी से जुड़े सिविलियन मामलों की जांच भी एफसीसी में ही होगी। ऐसे में पूर्व पीएम इमरान खान से जुड़े आर्मी कैंट हमलों के सभी केस एफसीधी में चलेंगे। यानी मुनीर अपने विरोधी इमरान पा लबित किसी भी मामले में फैसले को प्रभावित कर सकेंगे। 27वें संविधान संशोधन से मुनीर पर किसी कोर्ट में केस नहीं चाल पाएगा।

पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय में बदलाव

एक नया संघीय संवैधानिक न्यायालय (थ्ब्ब्) बनाया जा रहा है, जिसके अपने मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश होंगे, जिनकी नियुक्ति सरकार द्वारा की जाएगी। यह न्यायालय संविधान की व्याख्या और विभिन्न सरकारों, चाहे वे संघीय और प्रांतीय हों या दो राज्य सरकारों के बीच विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई करेगा। इस प्रकार, सर्वोच्च न्यायालय अब दीवानी और फौजदारी मामलों के लिए केवल अंतिम अपील न्यायालय है। थ्ब्ब् के निर्णय अन्य सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी होंगे।

कीव पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में छह लोगों की मौत, कम से कम 35 घायल

रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।'' उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य–औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों'' पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दिन्प्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर–आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर–आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर–आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई। क्षेत्रीय प्रमुख मायकोला कलाश्निक ने बताया कि कीव क्षेत्र में रूसी हमलों से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और घरों को नुकसान पहुंचा, जिससे कम से कम एक नागरिक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि बिला त्सेरकवा में 55 वर्षीय व्यक्ति को झुलसने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

जयशंकर ने अमेरिका में भारतीय दूतों के सम्मेलन की अध्यक्षता की, द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में भारत के महावाणिज्य दूतों के सम्मेलन में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों को दिए जाने वाले समर्थन की समीक्षा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों के लिए समर्थन की समीक्षा की। भारत–अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों की प्रतिबद्धता एवं प्रयासों की सराहना करता हूं।'' जयशंकर ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित ''महावाणिज्य दूत सम्मेलन'' की अध्यक्षता की जिसमें अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा, वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास में मिशन उप प्रमुख नामग्या खम्पा

के साथ–साथ अटलांटा, बोस्टन, शिकागो, ह्यूस्टन, लॉस एंजिलिस, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों के सभी दूतों ने हिस्सा लिया। महावाणिज्य दूत विनय प्रधान के नेतृत्व में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वाणिज्य दूतावास परिसर में जयशंकर का स्वागत करना ''सम्मान'' की बात थी। वाणिज्य दूतावास ने कहा, ''उनका नजरिया, मार्गदर्शन और नेतृत्व भारत–अमेरिका साझेदारी के लिए काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।'' जयशंकर ने एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की थी। जयशंकर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश, संयुक्त राष्ट्र में उप–स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी भी मौजूद थे। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना करता हूं। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना करता हूं।'' जयशंकर ने कहा कि उन्होंने भारत के विकास और उन्नति के लिए गुतारेस के स्पष्ट एवं निरंतर समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही भारत यात्रा पर आएंगे। जयशंकर जी–7 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए कनाडा में थे जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की और अन्य वैश्विक समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

US-India तनाव के बीच यूपी महासचिव संग जयशंकर की मीटिंग, समर्थन पर जताया आभार

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटारेस से मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना की। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना की जयशंकर ने आगे कहा कि भारत के विकास के लिए स्पष्ट और निरंतर समर्थन के लिए उनका धन्यवाद। भारत में उनका स्वागत करने को उत्सुक हूं। भारत की लंबे समय से यूएन में बदलाव की मांग है। स्थायी सदस्यता के लिए कई देशों ने भारत का समर्थन किया है। एक दिन पहले, जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी। जयशंकर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश, संयुक्त राष्ट्र में उप–स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी भी मौजूद थे। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस से मिलकर अच्छा लगा।

हैती पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरोह के सात सदस्य मारे गए, एक हेलीकॉप्टर नष्ट

हैती पुलिस ने बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार तक जारी रही मुठभेड़ में सात गिरोह सदस्यों को मार गिराया और अपने एक हेलीकॉप्टर में खराबी आने के बाद उसे नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैतियन नेशनल पुलिस (पीएनएच) द्वारा 'फेसबुक' पर साझा किए गए एक बयान के अनुसार, राजधानी पोर्ट–ऑ–प्रिंस के बाहरी इलाके 'क्रॉइक्स डेस बुकेट्स' इलाके में एक अभियान के दौरान पुलिस के एक हेलीकॉप्टर में ''खराबी'' आ गई, जिसे आपात स्थिति में नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि अधिकारी सुरक्षित हैं, लेकिन उन्होंने हेलीकॉप्टर को आग लगा दी ताकि गिरोह उसका इस्तेमाल नहीं कर सकें। इससे पहले शुक्रवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में गिरोह के सदस्य हेलीकॉप्टर के मलबे के पास जश्न मनाते हुए दिखे थे। पीएनएच के प्रवक्ता गैरी डेसरोसियर्स के अनुसार, गिरोह के सात सदस्य मारे गए। पुलिस ने गोलीबारी में इस्तेमाल की गई एक ''उच्च क्षमता'' वाली बैरेट राइफल भी बरामद की है। हाल के वर्षों में हैती में आपराधिक संगठनों का नियंत्रण बढ़ा है और अब राजधानी के 90 प्रतिशत हिस्से पर उनका नियंत्रण है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, गिरोह हिंसा के कारण रिकॉर्ड 14 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पोजिटर बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।